सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

विराट कोहली की बादशाहत फिर कायम,आईसीसी रैंकिंग में एक बार फिर बने नंबर 1 पेज: 7

इंडस्ट्री में सफलता की कोई समय सीमा नहीं, रिजे शन आम बात पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 276 | गुरुवार 15 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

भारतीय नौसेना का पराक्रम: पोरबंदर से मस्कट पहुंचा स्वदेशी पोत आईएनएसवी कौंडिन्या, रचा इतिहास

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय नौसेना के कमोडोर अमित श्रीवास्तव ने कहा कि यह यात्रा एक ऐतिहासिक क्षण है और उन्होंने स्वदेशी रूप से निर्मित पोत आईएनएसवी 'कौंडिन्या' द्वारा गुजरात के पोरबंदर से 18 दिनों की यात्रा पूरी करके बुधवार को मस्कट पहुंचने पर सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय नौसेना के दल की सराहना की। पोर्ट सुल्तान काबूस में एएनआई से बात करते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि इस पोत के निर्माण में भारतीय नौसेना, डीआरडीओ और अन्य के वास्तुकारों और अधिकारियों का योगदान था। इसका परीक्षण भारतीय नौसेना की टीमों द्वारा किया गया। यह एक ऐतिहासिक क्षण है जब पोत ने पोरबंदर से मस्कट तक की यात्रा 16 दिनों में पूरी की। भारतीय नौसेना का प्रशिक्षित दल किसी भी चुनौती का सामना कर सकता है।

वैश्विक पर्व बन गया है पोंगल, पूरी दुनिया में तमिल समुदाय ने इसे संजोकर रखा : पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि प्रकृति के साथ सौहार्दपूर्ण संतुलन का संदेश देने वाला पोंगल अब वैश्विक पर्व बन गया है और दुनियाभर में तमिल समुदाय के लोगों ने इसे संजोकर रखा है। प्रधानमंत्री ने यहां केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन के आवास पर आयोजित पोंगल उत्सव में भाग लिया। मोदी ने कहा कि इस पर्व पर किसानों के परिश्रम का उत्सव मनाया जाता है और पृथ्वी तथा सूर्य के प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती है। समारोह में कई केंद्रीय मंत्री, नौकरशाह और अन्य वर्गों के लोग शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने कहा,पोंगल का त्योहार हमें याद दिलाता है कि आभार शब्दों से आगे बढ़कर जताया जाना चाहिए और हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन जाना चाहिए। जब

धरती हमें इतना कुछ देती है, तो यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इसे संजोएं और इसकी रक्षा करें।" उन्होंने कहा कि दुनियाभर में तमिल समुदाय और तमिल संस्कृति को संजोने वाले लोग बड़े उत्साह से पोंगल मनाते हैं और उनके बीच आकर वह गौरव की अनुभूति कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि तमिल संस्कृति दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और इसमें सदियों की बुद्धिमत्ता और परंपरा है जो इतिहास से सबक लेकर भविष्य का रास्ता दिखाती है। उन्होंने कहा, इस विरासत से प्रेरणा लेते हुए आज का भारत आगे बढ़ने में इसकी सांस्कृतिक जड़ों से मजबूती लेता है। पोंगल के इस शुभ अवसर पर हम महसूस कर रहे हैं कि भारत को आगे बढ़ाने वाली विश्वास और एकता की भावना इसकी संस्कृति से गहराई से जुड़ी है और इस धरा के लिए अपार सम्मान रखती है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि पोंगल का पर्व प्रकृति, परिवार और समाज के बीच सौहार्दपूर्ण संतुलन बनाकर रखने के महत्व पर जोर देता है। उन्होंने कहा, मिट्टी की सेहत को बनाकर रखना, जल संरक्षित करना और भावी पीढ़ियों के लिए संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल आवश्यक हैं। मिशन लाइफ', एक पेड़ मां के नाम' और अमृत सरोवर जैसी पहल इसी भावना पर आधारित हैं और ये हमें इन मूल्यों को कायम रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।" मोदी ने कहा कि पोंगल लोगों को सिखाता है कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि दैनिक जीवन का हिस्सा भी होना चाहिए। उन्होंने कहा, आज पोंगल वैश्विक पर्व बन गया है। पिछले साल मुझे तमिल संस्कृति से जुड़े अनेक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिला, जो न केवल भारत की बल्कि पूरे विश्व की साझा विरासत है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिल संस्कृति में किसान को जीवन का आधार माना जाता है। उन्होंने कहा, तिरुक्कुरल (तमिल काव्य) में कृषि और किसानों के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया है।" इससे पहले तमिलनाडु के लोगों और दुनिया भर में रह रहे तमिल समुदाय के लोगों को पोंगल पर बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने तमिल और अंग्रेजी भाषा में लिखे एक पत्र में कहा कि पोंगल उन सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है जो अपने परिश्रम से हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

उन्होंने कहा, प्रिय देशवासियों, वणक्कम नमस्कार पोंगल के शुभ अवसर पर मैं आपको और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। यह विशेष त्योहार हमें मानव श्रम और प्रकृति के बीच घनिष्ठ संबंध की याद दिलाता है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि यह त्योहार कृषि, मेहनतकश किसानों, ग्रामीण जीवन और काम की गरिमा से गहराई से जुड़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने यहां केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य...

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि प्रकृति के साथ सौहार्दपूर्ण संतुलन का संदेश देने वाला पोंगल अब वैश्विक पर्व बन गया है और दुनियाभर में तमिल समुदाय के लोगों ने इसे संजोकर रखा है। प्रधानमंत्री ने यहां केंद्रीय सूचना और प्रसारण राज्य...

अंकिता भंडारी केस में सीएम धामी का बड़ा बयान, परिवार को न्याय दिलाने के लिए हम प्रतिबद्ध'

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार 2022 हत्याकांड में अंकिता भंडारी के परिवार को न्याय दिलाने के लिए उनके साथ खड़ी रहेगी। हाल ही में सामने आई ऑडियो रिकॉर्डिंग और सोशल मीडिया पोस्ट्स का जिक्र करते हुए, जिनमें भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को हत्याकांड से जोड़ा गया है, मुख्यमंत्री ने दोहराया कि उन्होंने मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। उत्तरकाशी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने इस मामले में त्वरित और निर्णायक कार्रवाई की, जिससे दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिली। हाल

ही में कुछ भ्रामक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आने के बाद, मैंने स्वयं अंकिता के माता-पिता से मुलाकात की और उनके अनुरोध पर, मैंने मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश करने का निर्णय लिया। उन्होंने आगे कहा कि मेरी सरकार और मैं शुरू से ही अंकिता के परिवार के साथ खड़े रहे हैं ताकि उन्हें न्याय मिल सके, और हम संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ उनके साथ खड़े रहेंगे। हमारी सरकार देवभूमि उत्तराखंड की संस्कृति, सम्मान और पहचान की रक्षा के लिए पूरी लगन से काम कर रही है। इससे पहले 7 जनवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सहित कई आरोपियों को दुष्यंत कुमार गौतम को अंकिता भंडारी हत्याकांड से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री प्रकाशित करने या प्रसारित करने से रोक दिया था। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया मानहानि का मामला पाया था। उत्तराखंड सरकार ने अंकिता भंडारी के माता-पिता की भावनाओं और बेटी को खोने के बाद उन्हें जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, उन्हें ध्यान में रखते हुए 2022 के इस मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश की है। मुख्यमंत्री धामी ने भी दिवंगत अंकिता भंडारी के माता-पिता से मुलाकात की थी और उन्हें इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार के पूर्ण समर्थन और प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया था।

सीएम हिमंत शर्मा का महिला सशक्तिकरण मिशन, असम की 32 लाख महिलाएं बनेंगी 'लखपति'

असम एजेंसी: असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने मंगलवार को श्रीभूमि जिले के करीमगंज उत्तर विधानसभा क्षेत्र और कछार जिले के कटिगोरा और बरखोला विधानसभा क्षेत्रों में मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता मिशन के तहत चेक वितरण का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम के तहत, करीमगंज उत्तर से 14,135, कटिगोरा से 18,578 और बरखोला से 19,756 महिला लाभार्थियों को 10,000 रुपये की उद्यमिता बीज पूंजी प्राप्त हुई। इसके साथ ही, राज्य के 80 विधानसभा क्षेत्रों में अब तक कुल 19,40,715 महिलाओं को इस मिशन के अंतर्गत शामिल किया जा चुका है। श्रीभूमि जिले के डीएसए खेल मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार

ने इस मिशन के तहत 32 लाख महिलाओं को 10,000 रुपये की प्रारंभिक पूंजी प्रदान करने का निर्णय लिया है, जिस पर 3,200 करोड़ रुपये का व्यय होगा। उन्होंने बताया कि करीमगंज उत्तर में 2,039 "लखपति बैदेउ" (स्वयं सहायता समूह) हैं और उन्होंने इस क्षेत्र की शीर्ष 20 सबसे अधिक आय अर्जित करने वाली महिला उद्यमियों का उल्लेख किया। प्रारंभिक पूंजी के उपयोग के बारे में बताते हुए शर्मा ने कहा कि यदि महिलाएं अपनी स्वयं सहायता समूहों में पहली किस्त जमा करती हैं, तो 1 लाख रुपये का सामूहिक कोष बनाया जा सकता है। इस कोष का उपयोग सामूहिक उद्यम शुरू करने, व्यक्तिगत व्यवसायों में निवेश करने या मौजूदा पारिवारिक उद्यमों का विस्तार करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार छह महीने बाद निधि के उपयोग का आकलन करेगी। प्रारंभिक सहायता का प्रभावी ढंग से उपयोग करने वाली महिलाएं बाद के चरणों में क्रमशः 25,000 रुपये और 50,000 रुपये की अतिरिक्त सहायता के लिए पात्र होंगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि निर्वाचन क्षेत्र में अतिरिक्त 2,000 लाभार्थियों को ओरुनोदोई योजना के अंतर्गत शामिल किया जाएगा और कहा कि ओरुनोदोई लाभार्थियों को 20 फरवरी को 8,000 रुपये प्रत्येक प्राप्त होंगे। उन्होंने डीएसए खेल के मैदान के सुधार के लिए 10 करोड़ रुपये की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लगभग सभी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित की है और असम ने एक विकसित राज्य बनने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

कोई फाइल-दस्तावेज...ईडी छापामारी मामले में ममता की याचिका एचसी ने की खारिज

कलकत्ता एजेंसी: कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा दायर याचिका का निपटारा कर दिया। टीएमसी ने आरोप लगाया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आई-पीएसी से संबंधित हालिया छापों के दौरान पार्टी की फाइलें और चुनाव संबंधी आंकड़े जब्त किए थे। इसके अलावा, ईडी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी गई, क्योंकि एजेंसी ने कहा कि उसने इसी तरह की एक याचिका सर्वोच्च न्यायालय में दायर की है। सर्वोच्च न्यायालय इस मामले में जांच एजेंसी की याचिका पर गुरुवार को सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान, ईडी ने टीएमसी से संबंधित किसी भी डेटा को जब्त करने से स्पष्ट इनकार किया और सवाल उठाया कि एजेंसी को उस सामग्री की सुरक्षा करने के लिए कैसे कहा जा सकता है जिसे कभी उसकी हिरासत में लिया ही नहीं गया। केंद्रीय जांच

एजेंसी ने आगे कहा कि यदि मामला केवल डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने से संबंधित होता, तो वह ऐसे अनुरोध का समर्थन करती। हालांकि, उसने यह भी कहा कि विवादित डेटा ईडी द्वारा नहीं लिया गया था, बल्कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं इसे ले गई थीं। उच्च न्यायालय कोलकाता में आई-पीएसी के परिसर और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर जांच एजेंसी द्वारा हाल ही में की गई छापेमारी के संबंध में ईडी और टीएमसी दोनों द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। ईडी ने इस बात पर भी जोर दिया कि छापेमारी का तृणमूल कांग्रेस से कोई संबंध नहीं था। टीएमसी ने अपने चुनाव संबंधी डेटा के लिए अदालत से सुरक्षा की मांग की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि इसे ईडी ने जब्त कर लिया है।

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव 2026: मतदान से पहले राज ठाकरे की एमएनएस को लगा बड़ा झटका, हाई कोर्ट ने लिया ये फैसला

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र नगर निगम चुनावों से पहले, बॉम्बे उच्च न्यायालय ने कई वार्डों में निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने ऐसी निर्विरोध जीत को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि मौजूदा कानूनों के तहत, बिना मतदान के उम्मीदवारों को निर्वाचित घोषित करना वैध है। याचिका किस बारे में थी? यह याचिका महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के नेता अविनाश जाधव ने दायर की थी। उन्होंने तर्क दिया कि बिना मतदान कराए उम्मीदवारों को विजेता घोषित करना लोकतांत्रिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि कुछ क्षेत्रों में, अन्य उम्मीदवारों ने दबाव या प्रलोभन के कारण अपना नामांकन वापस ले लिया, जिससे कोई मुकाबला नहीं रह गया। अदालत ने दलीलें खारिज कीं बॉम्बे उच्च न्यायालय ने इन दावों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता आरोपों के समर्थन में ठोस और विश्वसनीय सबूत पेश करने में विफल रहा है। अदालत ने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया कानून के अनुसार चल रही है और अदालत के हस्तक्षेप का कोई कारण नहीं है। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि किसी वार्ड में केवल एक ही वैध उम्मीदवार हो, तो उस उम्मीदवार को निर्विरोध निर्वाचित घोषित करना चुनाव कानूनों के अनुरूप है।

वर्तमान व्यवस्था के तहत यह प्रक्रिया कानूनी रूप से मान्य है। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को भविष्य में ऐसे मामलों में जिम्मेदारी से अदालत का रुख करने की सलाह भी दी।

उत्तरायण पर अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर पहुंचे अमित शाह, देशवासियों के लिए मांगा आशीर्वाद

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को उत्तरायण पर्व के अवसर पर अहमदाबाद स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए शाह ने लिखा कि जय जगन्नाथ! हर साल की तरह, इस वर्ष भी उत्तरायण के पवित्र अवसर पर हमें अहमदाबाद स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में दर्शन और पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भगवान की कृपा देशवासियों पर सदा बनी रहे। हर साल की तरह, इस वर्ष भी उत्तरायण के पवित्र पर्व पर हमें अहमदाबाद स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में दर्शन और पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भगवान जगन्नाथ जी का आशीर्वाद देश के सभी नागरिकों पर सदा बना रहे। मंदिर दर्शन के बाद शाह ने पतंगबाजी की पारंपरिक परंपरा में भी भाग लिया। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मकर संक्रांति, माघ बिहू और पोंगल की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, जो पूरे भारत

में फसल कटाई के मौसम का प्रतीक हैं। एक पत्र में, प्रधानमंत्री ने कहा कि यह त्योहार आशा और सकारात्मकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संक्रांति पूरे देश में विभिन्न रूपों में मनाई जाती है, लेकिन सभी उत्सवों के प्रति उत्साह और उमंग एक समान रहता है। किसानों के लिए इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कहा कि यह त्योहार उन लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है जो अपने परिश्रम से देश का पोषण करते हैं। उत्तरायण, लोहड़ी, पोंगल और संक्रांति के साथ, यह भारत भर में फसल उत्सवों को मनाने के विविध तरीकों का प्रतिनिधित्व करता है। मकर संक्रांति भारतीय पंचांग का एक प्रमुख त्योहार है। मकर संक्रांति पर भक्त सूर्य देव को अर्पण करते हैं। यह दिन सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का पहला दिन होता है। मित्रता के बंधन को मजबूत करने के लिए भी जाना जाने वाला यह त्योहार खिचड़ी बनाने, पतंग उड़ाने, तिल की मिठाई और नारियल के लड्डू खाने का उत्सव है। मकर संक्रांति शीत ऋतु के अंत का संदेश देती है।

आसियान देशों को भारत का कड़ा संदेश, मेजर जनरल बोले- आतंक से मिलकर लड़ना होगा'

नई दिल्ली एजेंसी: आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक वैश्विक कार्रवाई की बढ़ती आवश्यकता पर जोर देते हुए, आतंकवाद विरोधी एवं जंगल युद्ध विद्यालय के कमांडर मेजर जनरल कुलवीर सिंह ने बुधवार को कहा कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बहुपक्षीय सहयोग के एक मजबूत स्तंभ के रूप में एडीएमएम-प्लस ढांचा उभरा है। बुधवार को भारत और मलेशिया की सह-अध्यक्षता में आयोजित आतंकवाद विरोधी विशेषज्ञों के 16वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम प्लस) कार्य समूह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह मंच इस बात को दर्शाता है कि भाग लेने वाले देश आतंकवाद की चुनौती को कितनी गंभीरता से लेते हैं। प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मेजर जनरल सिंह ने कहा, "आतंकवाद का मुकाबला करना केवल एक तकनीकी या सैन्य मुद्दा नहीं है। यह एक ऐसा विषय है जो हर नागरिक के जीवन, हमारे समाजों की स्थिरता और हमारे क्षेत्र के भविष्य को प्रभावित करता है। हम आज यहां आतंकवाद की रोकथाम, उससे निपटने और उससे उबरने की अपनी सामूहिक क्षमता को मजबूत करने के साझा उद्देश्य से एकत्रित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि आतंकवाद

अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे लगातार और सबसे अधिक अनुकूलनशील खतरों में से एक बना हुआ है। पिछले दो दशकों में, हमने इसके कई आयामों में विकास को देखा है, और आंकड़े चिंताजनक हैं। पिछले दो दशकों में, आतंकवाद ने विश्व स्तर पर चार लाख से अधिक लोगों की जान ले ली है।" उन्होंने यह भी कहा कि विश्व स्तर पर केवल 64 देश ही आतंकवाद के प्रभाव से मुक्त हैं। बैठक के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए मेजर जनरल सिंह ने कहा कि पिछले साल हुई बैठक के बाद यह दिल्ली में आयोजित विशेषज्ञों के कार्य समूह की दूसरी बैठक है। उन्होंने बताया कि टेबल टॉप एक्सरसाइज (टीटीएक्स) के लिए अंतिम योजना सम्मेलन इसी साल मलेशिया में आयोजित किया जाएगा, जहां भाग लेने वाले प्रतिनिधिमंडल आसियान सदस्य देशों द्वारा अपनाई जाने वाली आतंकवाद-विरोधी प्रक्रियाओं और परिचालन पद्धतियों का अध्ययन करेंगे। उन्होंने कहा, इस पूरे टीटीएक्स का परिणाम अगले साल भारत में होने वाले फील्ड ट्रेनिंग एक्सरसाइज (एफटीएक्स) में लागू किया जाएगा। हम इस टीटीएक्स अभ्यास से सबक लेंगे और इसके लिए जो भी ढांचा तैयार किया गया है, उसे अगले साल मिजोरम में आतंकवाद-विरोधी और जंगल युद्ध प्रशिक्षण केंद्र में एफटीएक्स अभ्यास के दौरान लागू किया जाएगा।

प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मेजर जनरल सिंह ने कहा, "आतंकवाद का मुकाबला करना केवल एक तकनीकी या सैन्य मुद्दा नहीं है। यह एक ऐसा विषय है जो हर नागरिक के जीवन, हमारे समाजों की स्थिरता और हमारे क्षेत्र के भविष्य को प्रभावित करता है। हम आज यहां आतंकवाद की रोकथाम, उससे निपटने और उससे उबरने की अपनी सामूहिक क्षमता को मजबूत करने के साझा उद्देश्य से एकत्रित हुए हैं।

संपादकीय

ईरानी नरसंहार के बाद

ईरान में अब बगावत या विद्रोह नहीं, बल्कि नरसंहार जारी है। एक आंकड़ा है कि अभी तक करीब 650 मौतें हो चुकी हैं, जबकि पश्चिमी मीडिया 6000 से अधिक मौतों की खबर दे रहा है। कथित ह्यक्रांतिवीरह्ण इरफान को फांसी की सजा सुनाई गई है। ईरानी पुलिस ने 11, 000 से अधिक विद्रोहियों को गिरफ्तार किया है अथवा हिरासत में रखा है। सडकों पर 15-18 लाख विद्रोही आंदोलित हैं। लोग जिंदा जलाए जा रहे हैं। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के एक कर्नल की विद्रोहियों ने हत्या कर दी है। मस्जिदें, बैंक, सरकारी इमारतें, पुलिस स्टेशन जलाए गए हैं। गवर्नर आवास भी आगजनी का शिकार हुआ है। ईरानी हुकूमत ने विद्रोहियों को देखते ही गोली मार देने के आदेश जारी किए हैं। विद्रोहियों को ह्यसजा-ए-मौतह्ण भी दी जा सकती है। इन ऐलानों के बावजूद लाखों युवाओं के हुजूम सुप्रीम धार्मिक नेता खामेनेई का तख्तापलट करने पर आमादा हैं। सडकों पर खामेनेई समर्थक भी फैल गए हैं। आंदोलन महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक पतन, ढहती मुद्रा रियाल आदि के खिलाफ शुरू हुआ था, लेकिन अब उसने अंतरराष्ट्रीय रूप ले लिया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार ईरानी हुकूमत को धमका रहे हैं कि कभी भी हमला किया जा सकता है। एक ओर अमरीका है, तो दूसरी ओर ईरान के साथ रूस, चीन सरीखी महाशक्तियां हैं। बीच में खबर आई थी कि खामेनेई अपने परिवार और घोर समर्थक 20 लोगों के साथ मॉस्को भाग सकते हैं, लेकिन वह अब भी ईरान के बेहद सुरक्षित ठिकाने के भीतर हैं और बेहद घातक बल के जवान उनकी सुरक्षा में मोचार्बंद हैं। ईरान वेनेजुएला नहीं है, लिहाजा ट्रंप किसी मुगालते में न रहें। ईरान एक ताकतवर और प्रशिक्षित सेना वाला देश है। उसके पास परमाणु सम्मत मिसाइल भी है, जिसका एक चित्र मीडिया में दिखाया गया था। ईरान ने ऐलान किया है कि यदि अमरीका ने हमला किया, तो ईरान अपने आसपास के 19 अमरीकी बेसों पर हमला कर उन्हें तबाह कर देगा। लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप जरा खुद को संयमित रखें और दूसरे देशों को हड़पने की रणनीति फिलहाल शांत कर दें, क्योंकि उनके टैरिफवाद पर सुप्रीम अदालत का फैसला आने वाला है और अमरीका में ही सैकड़ों शहरों में ट्रंप-विरोधी प्रदर्शन जारी हैं। लोकतंत्र में जनता का हुजूम कोई भी करवट ले सकता है। सत्ताएं पलट जाती हैं। बेशक ईरान बहुत तेजी से विपन्नता की ओर बढ़ा है। जनवरी, 2026 में ही वहां की खाद्य मुद्रास्फीति 70-85 फीसदी तक उछल चुकी है। एक डॉलर की कीमत 14.20 लाख ईरानी रियाल हो गई है। गरीबी दर करीब 40 फीसदी है और देश की विकास दर मात्र 0.6 फीसदी है। खाने-पीने की चीजें दुर्लभ हो गई हैं। भारत के संदर्भ में देखें, तो वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों का आपसी कारोबार करीब 1.68 अरब डॉलर रहा। भारत को करीब 0.80 अरब डॉलर का व्यावसायिक लाभ हुआ। भारत ईरान को चावल, चीनी, चाय, दवाइयां, इलेक्ट्रोनिक मशीनरी, कृत्रिम फाइबर आदि निर्यात करता है, जबकि ईरान से सूखे मेवे, रसायन, कांच से बने उत्पाद भारत को भेजे जाते हैं। ईरान सबसे अधिक कच्चा तेल आपूर्ति वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है।

चिंतन-मनन

चमत्कारों ने किया है अहित

जो कुछ सुना जाता है, उस पर विश्वास न हो तो सुनने का विशेष अर्थ नहीं हो सकता. गहरे विश्वास के साथ सुनी हुई बात ही दिल को छू सकती है. विश्वास के साथ आवश्यक तत्व है आचरण. तत्व को सुन लिया, उस पर विश्वास भी कर लिया, पर आचरण नहीं किया तो कोई परिणाम नहीं आ सकेगा. भोजन सामने पड़ा है. मन में दृढ़ विश्वास है कि भोजन करने से भूख समाप्त हो जाएगी, पर जब तक भोजन नहीं किया जाता है, भूख कैसे मिटेगी. धर्म भी जब तक व्यक्ति के आचरण का विषय नहीं बनता है, उससे जीवन में कोई परिवर्तन नहीं आ सकता। श्रुति, श्रद्धा और आचरण तीनों हों, फिर भी धर्म का असर न हो, यह हो ही नहीं सकता। श्रुति और श्रद्धा के साथ सम्यक आचरण हो जाए तो धर्म के प्रभाव की निश्चित गारंटी दी जा सकती है। स्थिति आज इससे भिन्न है। लोगों का विश्वास धर्म पर नहीं, चमत्कार पर है। संतों के दर्शन करें, उनसे मंगल पाठ सुने, इससे संतति-लाभ हो जाए, व्यापार में लाभ हो जाए, वर्षों से उलझा हुआ काम सुलझ जाए तो संत अच्छे हैं, अन्यथा उनके पास जाने की इच्छा नहीं होती। ऐसे चमत्कारों में मेरा कतई विश्वास नहीं है। इन चमत्कारों ने धर्म और अध्यात्म का जितना अहित किया है, शायद ही किसी ने किया हो। चमत्कारों में ही अपनी साधना की सफलता समझने वाला साधक साधना के योग्य हो ही नहीं सकता। चमत्कार में मेरा विश्वास नहीं है, इसलिए मैं आपको कोई दिव्य विभूति देने का दावा नहीं करता। मैं अति कल्पना भी नहीं करता कि हर मनुष्य में देवत्व जग जाए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

पशु अधिकार बनाम मानव सुरक्षा

किशन सनमुखदास

आवारा कुत्ते, मानवीय संवेदना और सार्वजनिक सुरक्षाः- सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी और भारत के सामने खड़ा वैश्विक सवाल...

आवारा कुत्तों से बुजुर्गों बच्चों की रक्षा करने अदालती स्पष्ट गाइडलाइंस, मुआवजा ढांचा और डॉग फीडर्स की कानूनी जिम्मेदारी करना समय की मांग.

डॉग बाइटः-20 जनवरी 2026 को होने वाली अगली सुनवाई केवल एक तारीख नहीं,बल्कि नीति निर्धारण, जवाबदेही ढांचे, और भविष्य की दिशा तय करने वाली सुनवाई हो सकती है. भारत में आवारा कुत्तों का मुद्दा कोई नया नहीं है,लेकिन 13 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई के बाद यह विषय केवल एक पशु-प्रेम या करुणा का प्रश्न न रहकर एक गंभीर सार्वजनिक सुरक्षा, प्रशासनिक जवाबदेही और संवैधानिक कर्तव्य का मुद्दा बन गया है।अदालत की तीखी टिप्पणियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब यह बहस भावनाओं के इर्द-गिर्द नहीं घूमेगी, बल्कि जीवन के अधिकार, राज्य की जिम्मेदारी और नागरिक सुरक्षा के केंद्र में होगी।जब सवाल यह उठता है कि नौ साल का बच्चा अगर आवारा कुत्तों के हमले में जान गंवा देता है, तो यह केवल एक हादसा नहीं रह जाता,बल्कि राज्य की विफलता, समाज की प्राथमिकताओं और नीति- निर्माण की कमजोरी का प्रतीक बन जाता है।सुप्रीम कोर्ट ने 13 जनवरी 2026 की सुनवाई में बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि आवारा कुत्तों के काटने या हमले की घटनाएं जारी रहीं,तो राज्य सरकारों को हर मामले में भारी मुआवजा देना पड़ सकता है। एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह टिप्पणी भारत की न्यायिक व्यवस्था में एक निर्णायक मोड़ को दशार्ती है।कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि केवल सरकार ही नहीं, बल्कि वे लोग और संगठन भी जवाबदेह हो सकते हैं, जो सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को भोजन कराते हैं और फिर किसी भी परिणाम की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर देते हैं।यह दृष्टिकोण न्यायपालिका की उस सोच को उजागर करता है, जिसमें कर्तव्य और अधिकार को एक-दूसरे से अलग नहीं देखा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण टिप्पणी यह रही कि आवारा कुत्ते किसी भी व्यक्ति या संगठन की निजी संपत्ति नहीं हैं। यदि वे वास्तव में किसी के हैं, तो उन्हें सार्वजनिक सड़कों पर छोड़ने का नैतिक या कानूनी अधिकार नहीं हो सकता।कोर्ट ने पूछा,जब कुत्ता प्रेमी संगठन या व्यक्ति उन्हें खाना खिलाते हैं,जब वे उनका बचाव करते हैं,तो फिर डॉग बाइट या मौत की स्थिति में जिम्मेदारी से पीछे क्यों हट जाते हैं?यह सवाल केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में पशु अधिकार बनाम मानव सुरक्षा की बहस को नया आयाम देता है। साथियों बात अगर हम बच्चे और बुजुर्गः सबसे असुरक्षित वर्ग सबसे उपेक्षित यह चिंता का विषय इसको समझने की करें तो सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। अदालत ने कहा कि ये वर्ग न तो अपनी रक्षा कर सकते हैं और न ही हमले की स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं।जब एक बच्चा स्कूल जाते समय, एक बुजुर्ग सुबह टहलते समय, या कोई मरीज अस्पताल के बाहर आवारा कुत्तों का शिकार बनता है,तो यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है।कोर्ट का यह कहना कि क्या इस अदालत को अपनी आंखें बंद कर लेनी चाहिए?यह दशार्ता है कि न्यायपालिका अब इस विषय पर तटस्थ दर्शक नहीं बने रहना चाहती।सुप्रीम कोर्ट की एक अत्यंत तीखी टिप्पणी यह थी कि क्या भावनाएं केवल कुत्तों के लिए ही दिखाई देती हैं?, इंसानों के लिए नहीं?यह सवालभारतीय समाज के उस दोहरे मापदंड को उजागर करता है,जहां कुत्तों के अधिकारों पर तुरंत विरोध प्रदर्शन होते हैं,लेकिन बच्चों की मौत पर वही तीव्रता नहीं दिखती।अदालत ने यह स्पष्ट किया कि मानव जीवन का मूल्य किसी भी पशु से कम नहीं हो सकता, चाहे वह संवेदनशील मुद्दा ही क्यों न हो। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई व्यक्ति या समूह कुत्तों को खाना खिलाना या उनकी देखभाल करना चाहता है, तो उसे यह अपने घर, अपने परिसर या अपने कंपाउंड में करना चाहिए। सार्वजनिक सड़कों पर उन्हें छोड़करडर पैदा करना, हमले का खतरा बढ़ाना,और फिर जिम्मेदारी से बचना,अब स्वीकार्य नहीं होगा।यह टिप्पणी वैश्विक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विकसित देशों में पेट ओनरशिप के साथ कानूनी जिम्मेदारी अनिवार्य होती है। साथियों बात अगर हम प्रशासनिक निष्क्रियता बनाम कानून -व्यवस्था का मुद्दा इसको समझने की करें तो,कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि प्रशासनिक निष्क्रियता का है।नगरपालिकाएं, स्थानीय निकाय और राज्य सरकारें वर्षों से इस समस्या को टालती रही हैं।नियमित सर्वेक्षण न होना,डॉग शेल्टर की कमी,स्टरलाइजेशन कार्यक्रमों का आधा-अधूरा क्रियान्वयन,इन सभी को कोर्ट ने सिस्टमिक फेल्योर करार दिया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट स्कूलों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और खेल परिसरों से आवारा कुत्तों को हटाने का स्पष्ट आदेश दे चुका है।अदालत ने कहा था कि इन जगहों पर कुत्तों की मौजूदगी प्रशासन की असफलता का प्रमाण है।अब कोर्ट ने दोहराया है कि इन निदेर्शों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए, अन्यथा नगरपालिकाओं की जवाबदेही तय होगी। साथियों बात अगर हम डॉग बाइट एक रोकथाम योग्य खतरा, इसको समझने की करें तो,सुप्रीम कोर्ट ने डॉग बाइट को प्रवेटेबल रिस्क यानी रोकथाम योग्य खतरा बताया, इसका अर्थ है कि यदि प्रशासन और समाज मिलकर काम करें, तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकता है।जब किसी इलाके में बार-बार डॉग बाइट की घटनाएं होती हैं, तो यह स्पष्ट संकेत है कि वहां प्रशासनिक उदासीनता है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में दुनियाँ क्या करती है? इसको समझने की करें तो अमेरिका,यूरोप जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में आवारा कुत्तों की समस्या लगभग नहीं के बराबर है।पेट ओनरशिप लाइसेंस,भारी जुमार्ना और शेल्टर सिस्टम बेहद सख्त हैं।भारत में भावनात्मक दृष्टिकोण ने लंबे समय तक व्यावहारिक समाधान को रोक रखा।संविधान और जीवन का अधिकार, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है।जब राज्य बच्चों और नागरिकों को सड़कों पर सुरक्षित नहीं रख पाता,तो यह संवैधानिक विफलता बन जाती है।सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां इस दिशा में संकेत हैं कि अब अदालत इस मुद्दे को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में देख रही है।

अनुशासन, त्याग और पराक्रम का उत्सव-भारतीय थल सेना दिवस

सुनील कुमार महला

हर वर्ष 15 जनवरी को भारतीय थल सेना दिवस (इंडियन आर्मी डे) मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिन भारतीय सेना के गौरव, शौर्य, अनुशासन और उन वीर जवानों के सर्वोच्च बलिदान को समर्पित है, जो देश की सीमाओं पर खड़े होकर राष्ट्र की रक्षा करते हैं। यह केवल एक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह भारतीय सैन्य इतिहास के एक निर्णायक क्षण की स्मृति भी है। दरअसल, 15 जनवरी 1949 को लेफ्टिनेंट जनरल के.एम.करिअप्पा ने भारत के पहले भारतीय सेनाध्यक्ष (प्रथम भारतीय कमांडर-इन-चीफ) के रूप में कार्यभार संभाला था। उस समय ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर ने उन्हें औपचारिक रूप से यह पद सौंपा था। यह क्षण भारत की सैन्य संप्रभुता, आत्मनिर्भरता और औपनिवेशिक विरासत से मुक्ति का प्रतीक माना जाता है। बाद में, वर्ष 1986 में के. एम. करिअप्पा को उनके अतुलनीय योगदान के लिए फील्ड मार्शल की मानद उपाधि प्रदान की गई।स्वतंत्रता के बाद प्रारंभ में सेना दिवस 1 अप्रैल को मनाने का विचार किया गया था, किंतु ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए 15 जनवरी की तिथि को स्थायी रूप से निर्धारित किया गया। शुरूआती वर्षों में सेना दिवस के कार्यक्रम सीमित रूप से विभिन्न सैन्य छावनियों में आयोजित होते थे, जबकि भव्य सार्वजनिक परेड और औपचारिक समारोहों की परंपरा बाद के वर्षों में विकसित हुई।आज सेना दिवस के अवसर पर दिल्ली या चयनित शहरों के परेड ग्राउंड में शानदार सैन्य परेड आयोजित की जाती है तथा इसमें सेना अपने आधुनिक हथियारों, टैंकों, मिसाइलों, राडार प्रणालियों और युद्ध कौशल का प्रदर्शन करती है। इसके साथ ही वीरता पुरस्कार, जैसे सेना मेडल, भी प्रदान किए जाते हैं। यह दिन नई सैन्य तकनीकों, युद्ध अभ्यासों और रेजिमेंटल परंपराओं की औपचारिक शुरूआत का भी साक्षी बनता है।

पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय थल सेना विश्व की सबसे बड़ी स्वैच्छिक (वॉलंटरी) सेना मानी जाती है, जहाँ सैनिकों की भर्ती पूरी तरह स्वेच्छा से होती है और किसी भी प्रकार की जबरन भर्ती की व्यवस्था नहीं है। सैनिकों की संख्या के लिहाज से यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी सक्रिय थल सेना है, जिसमें लगभग 14.5 लाख (1.45 मिलियन) से अधिक सक्रिय सैनिक कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 11-12 लाख रिजर्व सैनिक तथा लगभग 25 लाख अर्धसैनिक बल भी भारत की सुरक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं। नवम्बर 2025 में ऑस्ट्रेलिया के प्रतिष्ठित लोवी इंस्टीट्यूट ने एशिया पॉवर इंडेक्स जारी किया जिसमें भारत को अमेरिका और चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य शक्ति घोषित किया है।भारतीय सेना का मुख्य दायित्व देश की स्थल सीमाओं की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा बनाए रखना, आतंकवाद व उग्रवाद से मुकाबला करना तथा आपदा के समय नागरिकों की सहायता करना है। यह सेना दुनिया के सबसे कठिन और ऊँचे युद्धक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर की रक्षा करती है, जो समुद्र तल से लगभग 5000 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है, जहाँ अत्यंत विषम जलवायु परिस्थितियों में भी सैनिक निरंतर तैनात रहते हैं। इसके अतिरिक्त रेगिस्तान, घने जंगलों और ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों में भी भारतीय सेना प्रभावी रूप से कार्य करती है।

वैश्विक स्तर पर भारतीय थल सेना अपनी रणनीतिक क्षमता, अनुशासन और युद्ध अनुभव के लिए जानी जाती है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है और भारत उन देशों में शामिल है, जिन्होंने सबसे अधिक सैनिक यूएन पीसकीपिंग ऑपरेशंस में भेजे हैं। ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स के अनुसार भारत दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सैन्य शक्ति है, जिसमें केवल अमेरिका, रूस और चीन भारत से आगे हैं। गौरतलब है कि भारतीय सेना की सर्वोच्च कमान देश के राष्ट्रपति के पास होती है, जो संविधान के अनुसार इसके सर्वोच्च कमांडर होते हैं। सेना की इंजीनियरिंग दक्षता का उत्कृष्ट उदाहरण लद्दाख के द्रास और सुरु नदियों के बीच निर्मित बेली ब्रिज है, जिसे अगस्त 1982 में सेना ने बनाया था और जिसे विश्व के सबसे ऊँचे पुलों में गिना जाता है।

भारतीय थल सेना का आदर्श वाक्य 'सेवा परमो धर्मः' है, जिसका अर्थ है-सेवा ही सर्वोच्च धर्म है। यही वाक्य सेना के कर्तव्यबोध, निस्वार्थ सेवा, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पण का मूल आधार है। 'सर्विस बिफोर सेल्फ' सेना की कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जिसे हर सैनिक प्रशिक्षण और व्यवहार में आत्मसात करता है। हाल के वर्षों में सेना दिवस समारोहों में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाने लगा है। गौरतलब है इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में भारत अपना 78वाँ सेना दिवस मना रहा है, जिसकी मुख्य परेड जयपुर (राजस्थान) में आयोजित की जा रही है। अब परंपरा यह बन चुकी है कि परेड दिल्ली से बाहर विभिन्न शहरों में आयोजित की जाए, ताकि सेना और जनता के बीच जुड़ाव और अधिक सशक्त हो। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष सेना दिवस की एक विशेष थीम भी निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम थी-'समर्थ भारत, सक्षम सेना', और उसी वर्ष भारत सरकार ने 'रक्षा सुधारों का वर्ष' घोषित किया था, जिसका उद्देश्य थिएटर कमांडों का एकीकरण, तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल तथा स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को बढ़ावा देना था। वर्ष 2026 के लिए सेना का मुख्य फोकस 'नेटवर्किंग और डेटा-केंद्रितता का वर्ष' रखा गया है, जो आधुनिक तकनीक और डिजिटल एकीकरण पर आधारित है। इस बार परेड में सेना की पशु टुकड़ी (एनिमल कंटीजेंट)-जैसे जांस्कर घोड़े(लद्दाख के जांस्कर क्षेत्र में पाए जाने वाले एक विशेष स्थानीय पर्वतीय घोड़े की नस्ल), ऊँट और खोजी कुत्ते-को भी विशेष महत्व दिया जा रहा है।

निष्कर्षतः, हम यहां पर यह बात कह सकते हैं कि भारतीय थल सेना शौर्य, समर्पण और राष्ट्रभक्ति का जीवंत प्रतीक है। सेना दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय शौर्य की उस अखंड परंपरा का उत्सव है, जो 'सेवा परमो धर्मः' के संकल्प पर टिकी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हमारी सुरक्षित और शांतिपूर्ण नींद उन जवानों के बलिदानों की ऋणी है, जो सरहद की चौखट पर हर पल प्रहरी बनकर खड़े रहते हैं। चाहे सियाचिन की हाड़ कंपा देने वाली ठंड हो या थार के रेगिस्तान की झुलसाती गर्मी-भारतीय सेना का हर जवान देश की अखंडता के लिए अभेद्य दीवार बनकर खड़ा रहता है। वास्तव में, भारतीय थल सेना भारत के आत्मविश्वास का वह स्तंभ है, जिसके साये में पूरा देश सुरक्षित, सशक्त और प्रगतिशील महसूस करता है। भारतीय सेना को नमन।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड)

बचत और खर्च का असंतुलनः नये भारत के लिए बड़ी चुनौती

महामारी के बाद की दुनिया केवल स्वास्थ्य के स्तर पर ही नहीं, बल्कि आर्थिक सोच और व्यवहार में भी एक बड़े संक्रमण से गुजरी है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ती महंगाई, तकनीक-आधारित बाजार और उपभोक्तावादी संस्कृति के तीव्र प्रसार ने लोगों की खर्च करने की प्रवृत्ति को असाधारण रूप से बढ़ा दिया है। इस बदलाव का सबसे गहरा असर घरेलू बचत पर पड़ा है। भारत सहित अनेक देशों में घरेलू बचत दरें ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर पहुंच चुकी हैं। उपभोग बढ़ रहा है, लेकिन भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक बचत निरंतर घटती जा रही है। यह स्थिति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चिंता का विषय भी बनती जा रही है। भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू बचत सदैव विकास की रीढ़ रही है। बुनियादी ढांचे से लेकर औद्योगिक निवेश तक, भारत की विकास गाथा में घरेलू बचत की भूमिका निर्णायक रही है। परंतु आज स्थिति यह है कि विशेषकर युवा पीढ़ी में बचत की दर 10 से 15 प्रतिशत तक सिमट गई है। यह आंकड़ा किसी भी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब बचत और खर्च के बीच असंतुलन एक गंभीर चेतावनी के रूप में सामने आ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में युवाओं की भूमिका को हमेशा निर्णायक माना है और वे बार-बार यह संदेश देते रहे हैं कि बचत केवल व्यक्तिगत सुरक्षा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। उनके अनुसार उपभोग से पहले बचत की संस्कृति युवाओं में आत्मनिर्भरता, अनुशासन और दीर्घकालिक सोच का विकास करती है। जन-धन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बचत और निवेश के माध्यमों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि छोटे-छोटे नियमित निवेश भविष्य की बड़ी आर्थिक शक्ति बनते हैं। मोदी का विचार है कि जब युवा वर्ग आज अनावश्यक खर्च से बचकर बचत और उत्पादक निवेश की ओर अग्रसर होगा, तभी भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकेगी; क्योंकि आत्मनिर्भर युवा ही सशक्त भारत की सबसे बड़ी पूंजी है।

भारतीय परंपरा में बचत को केवल आर्थिक क्रिया नहीं, बल्कि एक सद्गुण माना गया है। 'आज की बचत, कल का संबल' जैसी कहावतें हमारे सामाजिक व्यवहार का हिस्सा रही हैं। गृहस्थ जीवन में संतुलन, संयम और संचय को जीवन-मूल्य के रूप में स्वीकार किया गया। बच्चों की गुल्लक, अनाज के कोठार, गहनों के रूप में सुरक्षित धन, और त्योहारों पर सीमित व सादगीपूर्ण खर्च-ये सब भारतीय जीवनशैली के अभिन्न अंग थे। संकट के समय भारतीय परिवार किसी के सामने हाथ फैलाने की बजाय अपनी जमा पूंजी और संसाधनों पर भरोसा करता था। यह आत्मनिर्भरता भारतीय समाज की शक्ति रही है। लेकिन बदलती जीवनशैली और बाजार-प्रेरित संस्कृति ने इस परंपरा को कमजोर किया है। आज 'जियो अभी' की मानसिकता, आसान कर्ज, ईएमआई संस्कृति, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर दिखावे की प्रतिस्पर्धा ने खर्च को एक प्रकार की पहचान बना दिया है। उपभोग अब आवश्यकता से अधिक आकांक्षा से संचालित होने लगा है। अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूटती जा रही है। विशेषकर जेन-जी और युवा मिलेनियल पीढ़ी के लिए बचत एक बोझ या भविष्य की अस्पष्ट चिंता जैसी प्रतीत होने लगी है। यह स्थिति भारतीय दर्शन की मूल भावना के विपरीत है। भारतीय विचार परंपरा न अति भोग की पक्षधर है, न अति त्याग की। संयम, संतुलन और विवेक का मार्ग ही श्रेष्ठ माना गया है। यही सिद्धांत आर्थिक जीवन में भी लागू होता है। उपभोग आवश्यक है, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था गतिशील रहती है, रोजगार सृजन होता है और नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है। परंतु जब खर्च अनियंत्रित हो जाए और बचत उपेक्षित हो जाए, तब व्यक्ति ही नहीं, समाज और राष्ट्र भी असुरक्षित हो जाते हैं।

अनुभवों, ब्रांड और त्वरित संतुष्टि को प्राथमिकता देने से दीर्घकालीन वित्तीय सुरक्षा पीछे छूट रही है। भारतीय आर्थिक सोच में बचत को आर्थिक सुरक्षा और विकास का आधार माना जाता है, जहाँ घर-परिवार की आय का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 70 प्रतिशत) घरेलू बचत से आता है, जो सोने, स्थायी जमा और पीपीएफ जैसी योजनाओं में होता है, लेकिन नई पीढ़ी में 'खर्च करो' की सोच बढ़ी है, जिससे बचत की दरें घट रही हैं, जबकि वित्तीय साक्षरता और सरकारी योजनाओं (पीपीएफ, एनएससी, सुकन्या समृद्धि) के जरिए इसे फिर से बढ़ाने पर जोर है, क्योंकि बचत से ही निवेश और आर्थिक विकास संभव है। आज की वैश्विक परिस्थितियां इस असुरक्षा को और गहरा कर रही हैं। भू-राजनीतिक तनाव, युद्ध, जलवायु संकट, तकनीकी बदलाव और रोजगार की अनिश्चितता यह संकेत देती है कि भविष्य पहले से अधिक अस्थिर है। ऐसी स्थिति में बचत और निवेश दोनों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि भारतीय समाज अपनी बचत संस्कृति से दूर होता गया, तो दीर्घकाल में आर्थिक आत्मनिर्भरता कमजोर पड़ सकती है। विदेशी पूंजी पर निर्भरता बढ़ेगी और घरेलू संसाधनों की भूमिका सीमित होती जाएगी।

युवाओं को वित्तीय साक्षरता के माध्यम से बचत और निवेश का महत्व समझाना होगा। यह भी ध्यान देने योग्य है कि बचत में गिरावट का सीधा प्रभाव पारिवारिक एवं सामाजिक सुरक्षा पर पड़ता है। भारत में अभी भी व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र सीमित है। पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और बेरोजगारी सहायता जैसी व्यवस्थाएं पूरी आबादी को नहीं कवर करतीं। ऐसे में व्यक्तिगत और पारिवारिक बचत ही संकट के समय सहारा बनती है। यदि बचत घटती रही, तो आर्थिक झटकों का असर अधिक विनाशकारी होगा। समस्या केवल युवाओं की मानसिकता तक सीमित नहीं है। वित्तीय साक्षरता की कमी भी इसका एक बड़ा कारण है। आज भी बड़ी संख्या में युवा यह नहीं समझ पाते कि बचत और निवेश में अंतर क्या है, महंगाई का असर कैसे पड़ता है, और छोटी-छोटी नियमित बचत किस प्रकार दीर्घकाल में बड़ा संबल बन सकती है। तकनीक का उपयोग यदि उपभोग बढ़ाने में हो रहा है, तो उसी तकनीक का उपयोग बचत और निवेश को सरल और आकर्षक बनाने में भी किया जा सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, माइक्रो-सेविंग्स, स्वचालित निवेश योजनाएं और वित्तीय शिक्षा ऐप्स इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

परिवार की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चों में विवेकपूर्ण खर्च और बचत की आदत बचपन से ही डाली जानी चाहिए। माता-पिता यदि स्वयं संतुलित व्यवहार अपनाएं, तो उसका प्रभाव स्वाभाविक रूप से अगली पीढ़ी पर पड़ता है। शिक्षा व्यवस्था में भी वित्तीय अनुशासन और आर्थिक साक्षरता को स्थान दिया जाना चाहिए, ताकि युवा पीढ़ी केवल कमाने पर ही नहीं, संभालने और संजोने पर भी ध्यान दे। यह याद रखना आवश्यक है कि भविष्य की चिंता करना भय नहीं, बल्कि बुद्धिमानी है। बचत का अर्थ जीवन का आनंद त्याग देना नहीं, बल्कि भविष्य के आनंद को सुरक्षित करना है। संतुलित खर्च और नियमित बचत से ही एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और स्थिर समाज का निर्माण संभव है। भारत यदि आर्थिक महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है, तो उसे केवल उपभोग-आधारित विकास से आगे बढ़कर बचत-संवर्धित विकास मॉडल अपनाना होगा। अंततः, बचत और खर्च के बीच संतुलन केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। आर्थिक अनुशासन अपनाकर ही हम भावी पीढ़ी के लिए मजबूत आधार तैयार कर सकते हैं। उभरती अर्थव्यवस्था की यह जिम्मेदारी है कि वह तात्कालिक उपभोग के आकर्षण से ऊपर उठकर दीर्घकालीन स्थिरता को प्राथमिकता दे। तभी भारत का आर्थिक उत्थान टिकाऊ, समावेशी और सुरक्षित बन सकेगा।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बछरायूं कस्बे के मुख्य मार्ग पर एक-एक फिट तक जल भराव से स्थिति बदहाल

नगर पालिका की नहीं खुल रही नींद

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के बछरायूं कस्बे में मुख्य मार्ग हफिज रोड पर पिछले काफी समय से सड़क पर कम से कम एक-एक फिट तक गंदा पानी भरा रहता है साथ ही उसमें गंदा कीचड़ भी जमा रहता है स्थिति इतनी बदहाल है। स्थानीय लोगों एवं राहगीरों को आवागमन में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर सुबह के समय स्कूली बच्चों को कीचड़ में निकलना दूभर हो जाता है। कस्बे की जीवन रेखा माना जाने वाला यह मार्ग करीब एक डेढ़ साल से बदहाल स्थिति में देखा जा रहा है लेकिन बछरायूं नगर पालिका की अभी आंखें नहीं खुली है। बता दें कि भारतीय स्टेट बैंक, केनरा बैंक और एक निजी अस्पताल इसी सड़क पर स्थित हैं। थोड़ी दूरी पर थाना परिसर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), प्राइमरी स्कूल और एक इंटर कॉलेज भी मौजूद हैं।इन सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर आने-जाने वाले लोगों को प्रतिदिन इसी जलभराव से होकर गुजरना पड़ता है।बैंक कर्मचारियों के अनुसार, जलभराव के कारण खाताधारकों को बैंक आने में असुविधा हो रही है, जिससे बैंकिंग कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं।आए दिन ई-रिक्शा और मोटरसाइकिल सवार इस कीचड़ में फिसलकर चोटिल हो रहे हैं।वरिष्ठ भाजपा नेता रोहित आर्य ने स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जलभराव इतना गंभीर है कि अंतिम यात्रा के दौरान भी लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है।होटल संचालक फईम और फरीद अहमद ने बताया कि सड़क पर कीचड़ जमा होने से ग्राहक उनकी दुकानों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे उनका कारोबार पूरी तरह ठप हो गया है।नगर पालिका प्रशासन की इस सुस्ती के खिलाफ कस्बेवासियों में भारी आक्रोश है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।वहीं इस संबंध में नगर पालिका परिषद बछरायूं के अध्यक्ष हाजी राहत का कहना है कि जलभराव की समस्या के समाधान के लिए नाले का निर्माण जल्द ही कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि नाले का पानी सीधे तालाब में पहुंचाया जाएगा, जिससे कस्बेवासियों को इस समस्या से राहत मिलेगी।

देश की पहली मुस्लिम शिक्षिका थी फातिमा शेख

महिलाओं और वंचितों के उत्थान के लिए किये कार्य

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ हसनपुर के बैनर तले देश की पहली मुस्लिम शिक्षिका फातिमा शेख की जयंती नगर के बाईपास रोड पर हसनपुर गैस एजेंसी के प्रतिष्ठान पर मनाई गई। वक्ताओं द्वारा फातिमा शेख के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए उन्हें याद किया गया। और उनके द्वारा महिलाओं एवं वंचितों के उत्थान के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया गया। पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि देश की पहली मुस्लिम शिक्षिका फातिमा शेख का जन्म माह जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ था।वह भारत की प्रथम मुस्लिम महिला शिक्षिका,महान समाज सुधारक और महिलाओं एवं वंचितों के उत्थान के लिए समर्पित रही।उस समय स्त्री शिक्षा का कोई महत्व नहीं था। महिलाओं को घर की चाहरदीवारी में रखा जाता था।उन्हें पढ़ने की अनुमति नहीं थी। उस समय ज्योतिबाफुले दंपति महिलाओं के लिए शिक्षा की अलख जला रही थी। उस समय भारतीय महिलाओं की आइकॉन मुस्लिम शिक्षिका फातिमा शेख को माना जाता था। उन्हें समाज सुधार कार्य के रूप में भी जाना जाता है। सन 1848 में फातिमा शेख ने ज्योतिबाफुले दंपति की मदद से अपने ही घर में स्वदेशी पुस्तकालय की स्थापना की। जो लड़कियों के लिए भारत में प्रथम स्कूलों में से एक था। फातिमा शेख ने उस समय ज्योतिबाफुले दंपति द्वारा चलाई जा रही शिक्षा की मुहिम को कुछ कट्टरपंथियों द्वारा पसंद नहीं किया जा रहा था। ऐसे समय में भी उन्होंने फूले दंपति की मदद की। उनका मानना था कि घर में पढ़ने के लिए घर-घर जाती थी। वह समानता के लिए जीवन भर संघर्ष करती रही। भारत की पहली महिला मुस्लिम शिक्षिका फातिमा शेख ने भारत का पहला महिला विद्यालय खोलने में अपना योगदान दिया। गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम ने कहा कि फातिमा शेख सावित्रीबाई फूले के मिशन की सबसे मजबूत सहयोगी और शिक्षिका थी। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन महिलाओं और वंचितों की शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उन्हें आज भी समाज सुधारक कार्यों के लिए जाना जाता है। इस अवसर पर गौतम बुद्ध जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम, अखिल भारतीय अम्बेडकर संघ के महामंत्री विनोद कुमार गौतम,कोषाध्यक्ष करणवीर सिंह,विजय कुमार गौतम, अरविंद कुमार अन्ना,लवी सागर, सुरेश सिंह, कमल सिंह, जसवंत सिंह,मुखराम सिह, जंगबहादुर,कपिल कुमार उर्फ कालू,दिनेश कुमार आदि मौजूद रहे।

मकर संक्रांति के अवसर पर बृजघाट व तिगरी गंगा धाम में श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में मकर संक्रांति के अवसर पर बृजघाट तीर्थ नगरी और तिगरी गंगा धाम में श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ता दिखाई दिया, हजारों भक्तों ने पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगाई।स्नान करने का शिलशिला तड़के 4 बजे से शुरू होकर दोपहर तक जारी रहा। बता दें कि बुधवार को कड़ाके की ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक गंगा स्नान किया। अमरोहा के साथ-साथ संभल, बिजनौर, रामपुर, मुरादाबाद, मेरठ, बुलंदशहर, हापुड़, दिल्ली और हरियाणा जैसे विभिन्न जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बृजघाट और तिगरी गंगा धाम पर स्नान के लिए पहुंचे।भक्तों ने स्नान के बाद पुरोहितों को दान-पुण्य किया और गरीबों को भोजन भी कराया। उन्होंने अपने परिवार की सुख-समृद्धि और धन-धान्य की कामना की। ऐसी मान्यता है कि मकर संक्रांति पर गंगा स्नान करने से देवता प्रसन्न होते हैं। कई भक्तों ने भगवान सत्यनारायण व्रत कथा का श्रवण भी किया। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की कड़ी चौकसी रही।

अमरोहा में सिर चढ़ रहा स्टंटबाजी का खुमार, रील के चक्कर में यमराज को बुलावा

पुलिस की लगातार कार्यवाही के बाद भी बैखौफ स्टंटबाज

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में स्टंटबाजों ने एक बार फिर पुलिस को चुनौती दी है जिसमें पांच युवकों द्वारा चलती कार की छत पर बैठकर खतरनाक स्टंट किया जा रहा है।इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें कुछ युवक जान जोखिम में डालकर रील बनाते नजर आ रहे हैं। बता दें कि वायरल वीडियो में एक तेज रफ्तार बोलेरो कार सड़क पर दौड़ती नजर आ रही है, जिसकी छत पर एक युवक बिना किसी सुरक्षा उपकरण के बेखौफ अंदाज में बैठा है। स्टंट करने वाले युवाओं ने पुलिस की कार्रवाई से बचने के लिए अपनी कार की नंबर प्लेट भी ढक रखी है ताकि उनकी पहचान न हो सके।यह स्टंट अकेले नहीं किया गया। बताया जा रहा है कि साथ चल रहे अन्य वाहनों में मौजूद युवाओं ने भी इस जानलेवा खेल में पूरा साथ दिया है। कुछ लोग वीडियो बना रहे थे, तो कुछ रास्ता साफ करने में लगे थे। इस तरह खुलेआम यातायात नियमों का उल्लंघन किया गया।लाइक और व्यूज की चाहत में खतरनाक स्टंट ,स्थानीय लोगों मोहित, विवेक, सतवीर, अमन, कय्यूम ने इस तरह के स्टंट पर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि ये स्टंट न केवल स्टंट बाजों के लिए खतरनाक है बल्कि सड़क पर चल रहे आम लोगों के लिए भी जानलेवा साबित हो सकते हैं। इस मामले में रहरा थाना अध्यक्ष अतवीर सिंह चौहान ने बताया कि वायरल वीडियो का मामला उनके संज्ञान में आया है वायरल वीडियो के आधार पर मामले में जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज पाने की चाहत में युवा लगातार ऐसे खतरनाक स्टंट कर रहे हैं, जो गंभीर हादसों का कारण बन सकते हैं। पुलिस की कार्रवाई और जागरूकता ही इस खतरनाक प्रवृत्ति को रोकने में सहायक हो सकती हैं।

राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष से की मुलाकात

अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा के जिलाध्यक्ष इरकान अली ने युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रविंदर सिंह पटेल को नववर्ष एवं मकर संक्रांति के पावन अवसर पर लखनऊ स्थित उनके आवास पर पहुँचकर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दीं। इस अवसर पर संगठन की मजबूती, युवाओं की सक्रिय भूमिका तथा भविष्य की राजनीति को लेकर सकारात्मक, सार्थक एवं दूरदर्शी चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष का स्नेह, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ, जो संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणास्रोत है। इस दौरान जिलाध्यक्ष इरकान अली ने कहा कि वे प्रदेश अध्यक्ष के प्रति सदैव आभारी रहेंगे और उनके कुशल नेतृत्व में युवा राष्ट्रीय लोकदल को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे।

नौगांवा में दो पक्षों में मामूली बात पर मारपीट,पुलिस मामले की जांच में जुटी

नौगांवा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के नौगावां सादात कस्बे में विवाद के बाद दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई देखते ही देखते मामला मारपीट में बदल गया।यह घटना कोतवाली नौगावां सादात क्षेत्र के में हुई, जिसमें एक दर्जन से अधिक युवक शामिल थे। मारपीट की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।झड़प के दौरान युवकों ने एक-दूसरे पर लात-घूंसे चलाए और जानलेवा हमले भी किये। सामने आए सीसीटीवी फुटेज में एक गुट के सदस्यों को पहले से तैनात होकर हमले की साजिश रचते हुए देखा जा सकता है। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद वैधानिक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उप नगरायुक्त नेतृत्व मे चलाया गया अतिक्रमण हटाओ अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- शहर की नगर पालिका परिषद द्वारा पालिका उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार के नेतृत्व मे नगर के बिजनौर रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए पालिका के उप नगरायुक्त डॉ. बृजेश कुमार ने बताया की नगर के मुख्य मार्गो, व्यस्त चौराहो पर फड, ठेले, स्टाल लगाकर लोगो द्वारा अतिक्रमण कर मार्गो चौराहो को संकरा एवं अतिक्रमित कर दिया है जिससे नगर के व्यस्त मार्गो एवं चौराहो पर हर समय जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है एवं आवागमन बाधित होता है। सडक सुरक्षा समिति की मासिक बैठक मे नगर के व्यापारिक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओ द्वारा नगर के मुख्य मार्गो, चौराहो पर हुए अतिक्रमण को हटाए जाने की मांग की गयी, जिस पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा ऐसे अतिक्रमणो को अभियान चलाकर हटाए जाने के आदेश दिए गए। जिलाधिकारी महोदय के आदेशों के अनुपालन मे आज नगर के बिजनौर मार्ग पर अतरासी चौराहे पर हुए अतिक्रमण को हटवाया गया साथ ही राज्य राजमार्ग पर सडक किनारे लगे हुए ऐसे विज्ञापन बोर्ड जिनसे दृष्टि बाध्यता होने के कारण मार्ग दुर्घटनाओ की सम्भावना के दृष्टिगत हटवाया गया। पालिका उप नगर आयुक्त द्वारा बताया गया की अतिक्रमण हटाओ अभियान आगे भी जारी रहेगा, अतः समस्त आमजन से अपील है की सरकारी मार्गो, शासकीय भूमियो, एवं चौराहो को अतिक्रमित ना करें, नगर को स्वच्छ सुन्दर बनाने मे पालिका का सहयोग करें।

हसनपुर विधान सभा में सुभासपा की जनचौपाल, पंचायत चुनाव को लेकर संगठन ने भरी हुंकार

अमरोहा (सब का सपना):- विधानसभा हसनपुर क्षेत्र के गांव पथरा मुस्तकम में दिनेश सैन के आवास व गांव कटाई में जुबैर अहमद के आवास पर सुभासपा की जन चौपाल आयोजित की गई। इस दौरान सुभासपा जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि पार्टी आने वाले पंचायत चुनावों में पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी और जिले के सभी जिला पंचायत व सभी ग्राम पंचायतों में अपने प्रत्याशी खड़े करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुभासपा की प्राथमिकता संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और आमजन की समस्याओं को सत्ता तक पहुंचाना है। पंचायत चुनाव सुभासपा के लिए संगठन विस्तार का आधार हैं। गांव-गांव कार्यकताओं को सक्रिय कर एक मजबूत जनाधार तैयार किया जा रहा है।पश्चिमी उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रभारी बलराज सिंह प्रजापति ने कहा कि सुभासपा लगातार जनचौपालों के माध्यम से जनता से सीधा संवाद कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का फोकस सिर्फ चुनाव नहीं बल्कि सामाजिक न्याय और गांवों के वास्तविक मुद्दों पर है। पंचायत चुनावों में संगठन की ताकत और कार्यकताओं की मेहनत निर्णायक भूमिका निभाएगी। सुभासपा पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रही है। उक्त बैठक में सुरेन्द्र सिंह प्रधान, बलराज सिंह प्रजापति, दिनेश सैन, ओम शन तोमर,रमेश कुमार प्रजापति, चैतराम, बुद्धन सिंह, तेजपाल सिंह, ब्रह्म पाल सिंह प्रजापति प्रेम शंकर सैनी नेम पाल सिंह, प्रजापति, मतलूब अहमद अंसारी मसराम खान शाहिद खान आसिफ खान नईम खान शन्नू खान रियाज खान जमाल खान आरिफ खान तारिक खान रियासत योगेंद्र सिंह दिनेश राणा जमाल खान मुन्नू का आदि मौजूद रहे।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में मासिक समीक्षा बैठक आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला संयुक्त चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके भंडारी ने सभी डॉक्टरों और स्टाफ नर्सों के साथ महत्वपूर्ण मासिक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में अस्पताल द्वारा पिछले एक माह में प्रदान की गई स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। डॉ. भंडारी ने बताया कि इस दौरान कितनी गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व जांच, डिलीवरी और अन्य सेवाएं दी गईं। साथ ही, एनआरसी में कुपोषित बच्चों की भर्ती की संख्या, गंभीर एनीमिया से ग्रस्त महिलाओं को ब्लड चढ़ाने तथा आरएस ग्रॉस देने के मामलों पर चर्चा हुई। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने सभी विभागों के अलग-अलग पोर्टल पर डाटा एंट्री को अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि दी गई हर सेवा की पोर्टल पर समयबद्ध और सही एंट्री होना जरूरी है, जिससे सेवाओं की सत्यता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। बैठक में समय-समय पर सुधार के आदेश जारी किए गए। डॉ. भंडारी ने सभी चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कराएं, उन्हें टीटी वैक्सीनेशन सुनिश्चित करें, प्रेगनेंसी की जल्दी पहचान करें और आवश्यकता पड़ने पर अस्पताल में उपलब्ध खून की व्यवस्था का लाभ उठाएं। यह बैठक मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण कदम है। अस्पताल प्रशासन ने प्रतिबद्धता जताई कि सभी लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

सड़क सुरक्षा माह के तहत 75 वाहन चालकों के कटे चालान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर परिवहन विभाग द्वारा लगातार जागरूकता कार्यक्रम और प्रवर्तन कार्रवाई चलाई जा रही है। बुधवार को विशेष रूप से सीट बेल्ट न लगाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाया गया।एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा और पीटीओ सुधीर सिंह ने नेशनल हाईवे, गजरौला-हसनपुर रोड, गजरौला-धनौरा रोड तथा जोया-अमरोहा मार्ग पर चेकिंग की। टीम ने वाहनों को रोककर चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।अभियान के दौरान पाया गया कि अधिकांश व्यावसायिक वाहन चालकों की धारणा थी कि सीट बेल्ट केवल कार चालकों के लिए अनिवार्य है, व्यावसायिक वाहनों के लिए नहीं। उन्हें समझाकर सीट बेल्ट लगाने के लिए प्रेरित किया गया। कई चालकों द्वारा सीट बेल्ट को कमर के पीछे से निकालकर फिक्स्चर में लगाया हुआ पाया गया, ताकि अलार्म न बजे।इस कार्रवाई में सीट बेल्ट नियम उल्लंघन पर 75 वाहन चालकों के चालान काटे गए। इसके अलावा हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) न लगाने के मामले में 10 चालान जारी किए गए। कुल मिलाकर आज 100 से अधिक चालान काटे गए।यह अभियान शासन के निर्देश पर चलाया गया था और आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। परिवहन विभाग का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा जागरूकता अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत बुधवार को जनपद सम्भल में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस दौरान महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण को लेकर चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सहायता के विभिन्न माध्यमों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं से सीधे संवाद कर उन्हें सशक्त बनाना और सुरक्षित वातावरण प्रदान करना रहा। इसके साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों ने विशेष जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के दौरान शासन एवं पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। महिला पुलिसकर्मियों ने वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मोबाइल पैनिक बटन (डेमो), मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए पंपलेट वितरित किए। पुलिस प्रशासन ने महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या या आपात स्थिति में बिना झिझक संबंधित हेल्पलाइन नंबरों का प्रयोग करें तथा समाज में सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण बनाए रखने में सहयोग करें।

सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर वाहनों पर लगाए गए रिफ्लेक्टर टेप

सम्भल(सब का सपना):- बढ़ती ठंड और घने कोहरे के मद्देनजर बुधवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद सम्भल पुलिस ने यातायात पुलिस के साथ संयुक्त रूप से सड़क सुरक्षा अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य कोहरे के कारण होने वाली संभावित सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम करना रहा। अभियान के दौरान सड़कों पर चल रहे वाहनों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाए गए, ताकि कम दृश्यता की स्थिति में वाहन दूर से ही स्पष्ट दिखाई दे सकें और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो। इसके साथ ही वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन, सुरक्षित गति बनाए रखने, वाहनों की लाइटों के सही उपयोग

तथा दुर्घटनाओं से बचाव संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देशों के प्रति जागरूक किया गया। जनपद सम्भल पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कोहरे और ठंड के मौसम में विशेष सावधानी बरतें, यातायात नियमों का पालन करें और सुरक्षित तरीके से वाहन चलाकर स्वयं के साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

सम्भल में बाल विवाह के खिलाफ अभियान तेज, ग्रामीणों ने ली शपथ

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में बाल अपराधों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पेंसिया के निर्देशन में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी संस्था प्रयत्न संस्था द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को पंवासा ब्लॉक के ग्राम जोगीपुरा में बाल विवाह के खिलाफ ग्रामीणों को जागरूक किया गया।
प्रयत्न संस्था और जिला प्रोबेशन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण के

सहयोग से ग्राम प्रधान हलीमा रिजवी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बाल विवाह न करने की शपथ ली। इस अवसर पर प्रयत्न संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके अधिकारों की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बाल अपराधों की जानकारी देते हुए बताया कि आसपास हो रहे किसी भी बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, पुलिस 112, ग्राम प्रधान या प्रयत्न संस्था को दी जा सकती है, ताकि जनपद सम्भल को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए सभी को मिलकर आवाज उठानी होगी। बाल विवाह के आयोजन में शामिल सभी लोग—चाहे वह पंडित, नाई, हलवाई, टेंट संचालक या अन्य सेवा प्रदाता हों—यदि बाल विवाह में सम्मिलित पाए गए तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान हलीमा रिजवी, फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद, आशा अफशाजवी, मुकीम, दानिश अली, अनस सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कलक्ट्रेट सभागार में आंगनबाड़ी, मिशन शक्ति व समाज कल्याण की समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- आज कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी (आईसीडीएस), मिशन शक्ति तथा समाज कल्याण विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आईसीडीएस विभाग के अंतर्गत बच्चों के वजन व लंबाई मापन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने वीएचएसएनडी सत्रों में बच्चों का वजन एवं लंबाई सही ढंग से मापने के निर्देश देते हुए कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। रॉकेट लर्निंग एनजीओ के कार्यों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर लंबित कार्यवाहियों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत संतृप्तिकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सैम-मैम बच्चों, एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) चंदौसी, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण एवं लर्निंग लैब की प्रगति पर भी चर्चा की गई। पूरक पोषण आहार में किसी भी प्रकार के गैप को चिन्हित करने के लिए सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया। आईसीडीएस के अंतर्गत आधार सत्यापन एवं मोबाइल सत्यापन की स्थिति की समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। मिशन शक्ति की बैठक के अंतर्गत कन्या सुमंगला योजना के लंबित आवेदनों पर चर्चा की गई तथा उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही विधवा पेंशन के सत्यापन के लिए सभी खंड विकास अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा में वृद्धावस्था पेंशन, फैमिली आईडी, शादी अनुदान योजना, अभ्युदय योजना, आश्रम पद्धति विद्यालय, पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान, लंबित आवेदन, निराश्रित महिला पेंशन योजना आदि पर चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) महेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी तिनेज कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आकांक्षात्मक ब्लॉक रजपुरा में अनमोल सृष्टि प्रेरणा कैंटीन का उद्घाटन

रजपुरा/सम्भल(सब का सपना):- आकांक्षात्मक ब्लॉक के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत जनपद के विकास खण्ड रजपुरा परिसर में अनमोल सृष्टि प्रेरणा कैंटीन का उद्घाटन खण्ड विकास अधिकारी डॉ. आदेश कुमार द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम ब्लॉक प्रमुख ममता यादव की प्रेरणा एवं मुख्यमंत्री शोधकर्ता रुचि राठौर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री शोधकर्ता रुचि राठौर, एडीओ पंचायत अक्षय कुमार, समस्त ब्लॉक स्टाफ, पंचायत सहायकगण,

क्षेत्रवासी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने इस पहल को महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण आजीविका के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रेरणा कैंटीन के माध्यम से विकास खण्ड परिसर में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को नाश्ता, लंच एवं अन्य खानपान की सुविधाएं सुलभ कराई जाएंगी। इससे न केवल सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इस कैंटीन का संचालन स्वयं सहायता समूह अनमोल सृष्टि की सदस्य सुशीला द्वारा किया जाएगा। यह पहल एनआरएलएम योजना के अंतर्गत महिला आजीविका संवर्धन एवं मिशन शक्ति अभियान को सशक्त करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है जिससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी डॉ. आदेश कुमार ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन से प्रेरणा कैंटीन की सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने और इस पहल को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है।

कार्यालय कोषागार सम्भल के राजकीय वाहन की नीलामी 19 जनवरी को

सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी सम्भल के अनुमोदन 6 जनवरी 2026 के क्रम में कार्यालय कोषागार सम्भल के राजकीय वाहन UP34G0345 (बोलेरो), मॉडल 2012 की नीलामी 19 जनवरी 2026 को अपरान्ह 02:00 बजे कार्यालय प्रांगण में कराई जाएगी। नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति नीलामी से पूर्व कार्यालय कोषागार में आकर संबंधित वाहन का निरीक्षण कर सकते हैं। नीलामी में उच्चतम बोली लगाने वाले व्यक्ति को बोली की धनराशि का 25 प्रतिशत निर्धारित कर के साथ तत्काल राजकोष में जमा करना अनिवार्य होगा। शेष धनराशि निर्धारित कर के साथ एक सप्ताह के भीतर राजकोष में नकद जमा करने के उपरांत नियमानुसार वाहन सौंप दिया जाएगा।
यदि उच्चतम बोलीकर्ता निर्धारित समय सीमा में बोली की धनराशि जमा नहीं करता है अथवा बोली निर्धारित न्यूनतम मूल्य से कम पाई जाती है, तो उस बोली को निरस्त कर दिया जाएगा। नीलामी को निरस्त करने अथवा किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार जिलाधिकारी सम्भल के पास सुरक्षित रहेगा।

फैज गर्ल्स इंटर कॉलेज में स्थापना दिवस व अब्दुल गफूर सलामी डे धूमधाम से संपन्न

सम्भल(सब का सपना):- सरायतरीन स्थित फैज गर्ल्स इंटर कॉलेज में वार्षिक कार्यक्रम स्थापना दिवस एवं अब्दुल गफूर सलामी डे अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने एक से बढ़कर एक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा हम्द व नात की भावपूर्ण प्रस्तुति से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एम.जी.एम. कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने

विद्यालय की शैक्षिक प्रगति, अनुशासन और छात्राओं के आत्मविश्वास की सराहना की। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्राओं ने कव्वाली, देशभक्ति गीत एवं आकर्षक एक्शन सॉन्ग प्रस्तुत किए। नन्ही छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरीं, वहीं कव्वाली की सुरीली धुनों ने पूरे माहौल को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अब्दुल गफूर सलामी के समाज और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनके कार्य सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। चौधरी अशरफ अली, सैयद हुसैन अफसर, मुख्तार हुसैन, ज़ियाउरहमान, नवाब हसन और नसीम अहमद ने अपने विचार व्यक्त कर छात्राओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि द्वारा मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबंधक कलीम अशरफ ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक, गणमान्य नागरिक एवं विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा। प्रमुख रूप से हाजी नूरइलाही, ताहिर सलामी, डॉ. यूनुस, शारिक जिलानी, जुबैर उमर, रेहान एडवोकेट, हाजी शराफत, हाजी शहादत, मुहम्मद इमरान, नाज़िम, अनुराधा, सुल्ताना, नफीस, तखलीक, मेराज, इकराम, इकरा, नबीहा, सुबहाना, सानिया, नेहा और स्वलेहा उपस्थित रहे।
अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या जहाँआरा तबस्सुम ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन आलिया एवं रुश्दा ने संयुक्त रूप से किया, जबकि अध्यक्षता सैयद हुसैन अफसर ने की।

जान से मारने की धमकी देने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तारी

धनारी/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में रामकिशन पुत्र रामकरन निवासी करेला की मढैया की तहरीर पर एक घटना दर्ज की गई थी। पीड़ित ने बताया कि अभियुक्त ने उसके सिर पर जान से मारने की नियत से फावड़ा मारने का प्रयास किया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। शिकायत पर थाना धनारी में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।
इस मामले में पुलिस लगातार

अभियुक्त की तलाश में थी। बुधवार को थाना धनारी पुलिस टीम ने सक्रिय जांच और निगरानी के बाद वांछित अभियुक्त द्रोजपाल पुत्र को सुल्तानगढ़ से करेला की मढैया जाने वाले रास्ते पर गिरफ्तार कर लिया।
अभियुक्त पर मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्त पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि इस प्रकार की तत्पर कार्रवाई से अपराधों की रोकथाम और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

इंडोर शूटिंग रेंज के साथ निशानेबाजों ने राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

निशानेबाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर जनपद का नाम किया रोशन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- भोपाल एवं दिल्ली में 11 दिसंबर से 4 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में इंडोर शूटिंग रेंज बहजोई, जनपद सम्भल के निशानेबाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर जनपद का नाम रोशन किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में इंडोर शूटिंग रेंज बहजोई से कुल सात निशानेबाजों ने प्रतिभाग किया और विभिन्न स्पर्धाओं में अपने कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शामिल निशानेबाजों में नैतिक तिवारी (एयर राइफल), मृत्युंजय सिंह पनवर (एयर पिस्टल), आराध्य यादव (एयर राइफल), आराध्या वाष्णेय

(एयर पिस्टल), गौरव (एयर राइफल), युवराज (एयर राइफल) तथा सुरेंद्र सिंह (एयर राइफल) शामिल रहे। राष्ट्रीय प्रतियोगिता से लौटने पर जनपद के जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैसिया ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निशानेबाजों की यह उपलब्धि पूरे जनपद के लिए गर्व का विषय है और इससे खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सम्भल गोरखनाथ भट्ट ने भी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि इन निशानेबाजों की सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और खेलों के प्रति रुचि को बढ़ावा देगी। कार्यक्रम के दौरान एडीएम प्रदीप वर्मा, उप क्रीड़ाधिकारी प्रमिला भारती, शूटिंग कोच मयंक कुमार, सतीश तिवारी एवं नीरज कुमार उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों के अनुशासन, कड़ी मेहनत और समर्पण की भूरी-भूरी प्रशंसा की। इंडोर शूटिंग रेंज बहजोई के प्रशिक्षक मयंक कुमार ने बताया कि यह सफलता खिलाड़ियों की एक वर्ष की निरंतर मेहनत, नियमित अभ्यास और सही मार्गदर्शन का परिणाम हैं।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति एवं जिला पर्यावरण समिति की संयुक्त बैठक मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में विगत वर्षों में कराए गए वृक्षारोपण के अनुरक्षण, गंगा ग्राम सेवा समितियों एवं ग्रीन चौपाल की नियमित बैठकें आयोजित कराए जाने, ड्रेनों एवं अपशिष्ट जल के समुचित प्रबंधन, प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किए जाने हेतु आदि बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा समस्त संबंधित विभागों को गत वर्षों में कराए गए वृक्षारोपण के समुचित रख-रखाव सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि समस्त गंगा ग्राम पंचायतों में

गंगा ग्राम सेवा समितियों की नियमित बैठकें आयोजित की जाएँ एवं बैठकों के कार्यवृत्त अनिवार्य रूप से निर्गत किए जाएँ। प्रदूषण नियंत्रण विभाग, जल निगम को निर्देशित किया गया कि शहबाजपुर डोर सहित अन्य चिन्हित ग्राम पंचायतों में जन-जागरूकता अभियान संचालित करते हुए ग्रामवासियों को जागरूक किया जाए। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी, उप प्रभागीय वनाधिकारी, उप निदेशक कृषि, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद जिला परियोजना अधिकारी, नमामि गंगे, अमरोहा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर नगर में जागरूकता रैली, हेलमेट व सीट बेल्ट पर जोर

बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन (विद्या टेलीलिंक, नजीबाबाद) के तत्वावधान में नगर क्षेत्र में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति प्रेरित करना और नियमों के पालन को जीवन सुरक्षा से जोड़कर समझाना रहा। रैली राहतपुर कार्यालय से प्रारंभ होकर मोटा महादेव चौकी तक निकाली गई, जिसमें परियोजना के अधिकारी व कर्मचारी, यातायात पुलिस तथा विभिन्न विभागों के

प्रतिनिधियों ने भाग लिया। रैली के दौरान लोगों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट के प्रयोग, तेज गति से वाहन न चलाने तथा नशे की अवस्था में वाहन चलाने से होने वाले खतरों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के सुरक्षा अधिकारी शाने अब्बास और प्रबंधक कौशल सिंह ने यातायात नियमों का पालन करने वाले नागरिकों को चॉकलेट देकर प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने देशभर में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़ों की जानकारी देते हुए बताया कि अधिकांश हादसे नियमों की अनदेखी के कारण होते हैं। इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय हाडू ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं बल्कि जीवन रक्षा का माध्यम है। वहीं मोटा महादेव चौकी प्रभारी सोनू कुमार ने रैली की सराहना करते हुए आमजन से नियमों के प्रति सजग रहने की अपील की। रैली में अजय सिंह, नितीश कुमार, अरुण सिंह, करण कुमार, करण यादव सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। आयोजकों ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित समाज के निर्माण में सहयोग करने का आह्वान किया।

मां कात्यायनी देवी के मन्दिर पर मकर संक्रांति के पर्व पर भंडारे का आयोजन

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- गांव गोहावर चौराहे पर स्थित मां कात्यायनी देवी के मन्दिर पर हरबर्ष की भांति इस वर्ष भी भंडारे का आयोजन किया। मां कात्यायनी देवी मन्दिर के संस्थापक राजीव कुमार एडवोकेट ने मन्दिर के पूजारी पंडित हितेश कुमार शर्मा के साथ विधि विधान से हवन पूजन कराया गया। तथा इस बाद माता के दरबार में जागरण मंडली की कलाकार रिया अग्रवाल, पूजा रानी ,रामेन्द्र सिंह विरेन्द्र सिंह, सोनू ने पंडाल में बैठे ग्रामीणों का मन मोह लिया। जागरण में शामिल मुख्य अतिथि डी एम सिन्हा न्यायाधीश जज आयकर न्यायालय गुजरात, अश्वनी तंवर वरिष्ठ अधिवक्ता दिल्ली हाईकोर्ट, नरेश कुमार शर्मा ने दिल्ली हाईकोर्ट

से आकर भाग लिया।कमेटी कार्यकर्ता ई जी रेलवे विभाग से रिटायर दुष्यंत सिंह चोहान, सतेन्द्र सिंह चौहान, मन्दिर के अध्यक्ष रोहित सिंह, योगेन्द्र सिंह चौहान, तिलक कुमार, तामेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बिजनौर से हैरान करने वाली वीडियो, मंदिर परिसर में कुत्ते की परिक्रमा बनी चर्चा का विषय

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के नगीना तहसील क्षेत्र के गांव नंदपुर खुर्द से सामने आईं तस्वीरें और वीडियो इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई हैं। गांव स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में एक कुत्ता बीते 36 घंटे से लगातार मंदिर की परिक्रमा करता हुआ देखा गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले यह कुत्ता हनुमान जी की प्रतिमा के चारों ओर परिक्रमा करता रहा और अब मंदिर में मां दुर्गा व अन्य प्रतिमा के चारों ओर घूमता दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि इस दौरान कुत्ते ने न तो कुछ खाया है और न ही पानी पिया है, इसके बावजूद वह लगातार फेरी लगाता रहा। इस घटना के बाद मंदिर परिसर आस्था का केंद्र बन गया है। आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग इस दृश्य को देखने पहुंच रहे हैं। कुछ श्रद्धालु इसे ईश्वरीय संकेत या चमत्कार मान रहे हैं, वहीं कुछ लोग इसे कुत्ते के स्वाभाविक व्यवहार से जोड़कर देख रहे हैं। जब कुछ लोगों का कहना है कि कुत्ते को किसी पशु ने काट लिया

है, जिससे वह पागल हो गया है तथा अस्वभाविक क्रियाएं कर रहा है। गांव के ही अश्वनी सैनी ने बताया कि बिजनौर से कोई महिला पशु चिकित्सक आयी थीं, वह अपने साथ एम्बूलेंस भी लाई थीं। उनका कहना यह है कि प्रभावित कुत्ते किसी पशु के काटने से पागल हो गया है, ये रैबीज भी हो सकती है। इस लिए इस कुत्ते को ऑब्जर्वेशन में लिया जाना अनिवार्य है। लेकिन जन विरोध के कारण वो वापस चली गयी। हालांकि प्रशासन या पशु चिकित्सा विभाग की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जानकारों का कहना है कि लंबे समय तक बिना भोजन-पानी के किसी पशु का इस तरह व्यवहार करना स्वास्थ्य से जुड़ा मामला भी हो सकता है, जिस पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। यदि यह रैबीज का मामला है तो घातक हो सकता है। प्रशासन को इसपर ध्यान देना चाहिए। फिलहाल यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग इसे आस्था, विश्वास और तर्क के अलग-अलग नजरिये से देख रहे हैं।

स्कूल के गेट पर बना गड्ढा, छात्रों की सुरक्षा पर खतरा

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- हाईवे स्थित रानी फूल कुमारी कन्या इंटर कॉलेज के मुख्य द्वार के सामने बना एक बड़ा गड्ढा हादसे को दावत दे रहा है। इस गड्ढे के कारण स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को स्कूल से निकालना और सुरक्षित घर पहुंचाना मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, यह गड्ढा न केवल छात्रों के लिए बल्कि माह

फरवरी में शिवरात्रि के अवसर पर स्कूल परिसर में विश्राम करने वाले शिवभक्तों भोलो के लिए भी गंभीर खतरा बन गया है। अंधेरे या भीड़भाड़ के समय किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। नगरवासियों ने बताया कि उन्होंने कई बार इस समस्या की जानकारी प्रशासन को दी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। लोगों में प्रशासन की उदासीनता को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय जनता ने प्रशासन से मांग की है कि बच्चों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस गड्ढे को शीघ्रातिशीघ्र भरवाया जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

घायल युवक की मेरठ में उपचार के दौरान मौत, परिवार में मातम

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- सत्रह दिन पहले हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना ने एक परिवार की खुशियों को छीन लिया। दबखेडी सालार निवासी प्रिंस (28) पुत्र ऋषिपाल की मंगलवार को मेरठ में उपचार के दौरान मौत हो गई। प्रिंस की मौत से उसके परिजनों और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार किया। जानकारी के अनुसार, 27 दिसंबर को प्रिंस अपने गांव के ही चमन

(20) और रिश्तेदार विकास (22) के साथ किसी काम से नहटौर आए थे। शाम के समय जब तीनों लौट रहे थे, तब गांव खंडसाल के पास उनकी बाइक की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पताल रेफर किया गया। प्रिंस को मेरठ भेजा गया था, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं, हादसे में घायल विकास की भी अगले ही दिन मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि मामले में अज्ञात वाहन चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

राजनीतिक दलों से बूथ लेवल अभिकर्ता सक्रिय करने की अपील

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्वाचक नामावली के विशेष पुनरीक्षण के तहत चल रहे दावे और आपत्तियों के कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 6 जनवरी 2026 से 6 फरवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया जारी है। इस कार्य को पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवधान रहित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने अतिरिक्त जिला स्तरीय अधिकारियों को नामित किया है। साथ ही उनके बैठने के

लिए स्थान भी निर्धारित कर दिए गए हैं, जहां आमजन अपनी आपत्तियों और दावों का निस्तारण करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन के पास पर्याप्त संख्या में फॉर्म 6, 7 और 8 उपलब्ध हैं, जिन्हें बीएलओ और संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करा दिया गया है। जिलाधिकारी ने मतदाता पंजीकरण से संबंधित नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि 1987 से पहले भारत में जन्मे मतदाताओं को आयोग द्वारा निर्धारित सूची में से कोई एक अभिलेख देना होगा, जिससे जन्म तिथि और जन्म स्थान की पुष्टि हो सके। वहीं 1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे मतदाताओं को स्वयं के साथ-साथ माता या पिता का भी प्रमाणपत्र देना अनिवार्य होगा। 2004 के बाद जन्मे मतदाताओं के लिए स्वयं तथा माता-पिता दोनों के अभिलेख देना जरूरी होगा। जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक फॉर्म 6 के 5469, फॉर्म 7 के 45 और फॉर्म 8 के 2905 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों और बीएलओ को निर्देश दिए कि दावे और आपत्तियों के निस्तारण में तेजी लाते हुए आयोग के निदेशों के अनुसार समयबद्ध कार्य पूरा किया जाए। साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे अपने बूथ लेवल अभिकर्ताओं को सक्रिय कर सहयोग करें, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वानिया सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार सहित भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दिल्ली दंगा और जामिया हिंसा से जुड़ी याचिकाओं पर एचसी में होगी सुनवाई, सामने आई तारीख

नई दिल्ली। फरवरी 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों और जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में 2019 में हुई हिंसा की विशेश जांच दल (एसआइटी) या स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर अब दिल्ली हाई कोर्ट ने 23 जनवरी को सुनवाई करेगा। इस मामले को 23 जनवरी के लिए सूचीबद्ध करते हुए न्यायमूर्ति नवीन चावला व न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की पीठ ने कहा कि यह मामला पहले एक समन्वय पीठ के समक्ष आंशिक रूप से सुना गया था। अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया कि समन्वय पीठ ने 11 दिसंबर 2025 को कहा था कि मामले को आगे की दलीलों के लिए अगली बार सूचीबद्ध करने का आदेश दिया था। पीठ ने कहा कि उक्त आदेश के तहत मामले

को मुख्य न्यायाधीश के निर्देश के अधीन तहत न्यायमूर्ति विवेक चौधरी की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष ही सूचीबद्ध किया जाए। 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों की स्वतंत्र एसआइटी जांच, भड़काऊ भाषणों के लिए राजनेताओं के खिलाफ प्राथमिकी करने और दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की याचिकाओं में मांग की गई है। ये याचिकाएं 2020 में ही दायर की गई थीं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने याचिका दायर कर सर्वोच्च न्यायालय या दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल द्वारा मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। इसमें मांग की गई है कि दिल्ली पुलिस के सदस्यों को इस एसआईटी से बाहर रखा जाए। वहीं, एक अन्य याचिका शेख मुज्तबा द्वारा दायर की गई है, इसमें दंगों को भड़काने के लिए भड़काऊ भाषण देने के लिए भाजपा नेताओं कपिल मिश्रा, अनुराग ठाकुर, प्रवेश वर्मा और अभय वर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और जांच की मांग की गई है। लायर्स वायस द्वारा दायर याचिका में कई अन्य राजनेताओं के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा भी विभिन्न मांगों को लेकर अन्य याचिका दायर की गई है। अजय गौतम की अर्जी में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों की फंडिंग की जांच एनआई से करने की मांग की गई है।

सीएम डैशबोर्ड में सुधार के लिए अफसरों को रोजाना मॉनिटरिंग के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड और जनपद में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर एक अहम समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रदर्शन, रैंकिंग और योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर एनआरएलएम और उद्योग विभाग को डी रैंक मिलने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए दोनों विभागों के अधिकारियों को गंभीरता के साथ कार्य करने और शीघ्र सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
समीक्षा के दौरान लोक निर्माण विभाग और सेतु निर्माण निगम द्वारा

स्वीकृत कार्यों में देरी को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने देरी के कारणों और निर्माण गुणवत्ता की जांच के आदेश दिए। इस उद्देश्य से एसडीएम धामपुर की अध्यक्षता में तकनीकी अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है, जो निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और विलंब के कारणों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। साथ ही जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देश दिए गए कि सेतु निर्माण से जुड़े स्वीकृति आदेश पत्र संबंधित विभागों से प्राप्त कर समिति को उपलब्ध कराए जाएं। जिलाधिकारी ने उद्योग विभाग की लगातार गिरती रैंक पर असंतोष जताते हुए ओडीओपी समेत अन्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया और उच्च अधिकारियों से समन्वय कर रैंक सुधारने के निर्देश दिए। इसके अलावा एनआरएलएम और अन्य विभागों को अपनी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया, ताकि अधिक से अधिक पात्र लोगों को रोजगार और लाभ मिल सके। बैठक में सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की प्रतिदिन निगरानी करें, सही और सत्यापित डाटा ही पोर्टल पर अपलोड करें, क्योंकि इसकी समीक्षा मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव स्तर पर की जाती है। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि ई-ऑफिस प्रणाली की नियमित मॉनिटरिंग शासन स्तर पर हो रही है, इसलिए सभी विभागीय कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से ही किए जाएं। बैठक में परिवहन, जीएसटी, ऊर्जा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, समाज कल्याण सहित अनेक विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई और अधिकारियों को चेताया गया कि किसी भी स्थिति में विभागीय रैंक गिरने न पाए।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, परियोजना निदेशक डीआरडीए दिनकर भारती, जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कड़ाके की ठंड ने लोगों को अलाव पर तापने को किया मजबूर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- हाड़ कपकपा देने वाली ठंड ने बुधवार को पूरे दिन लोगों को अलाव पर तापने को मजबूर रखा दोपहर बाद सूर्य देव के दर्शन होने के बाद भी ना के समान रहा। ऊपर से पूरे दिन बफीर्ली हवाएं चलने से ठंड का मानों कहर देखने को मिला। लोग अपने अपने घरों में कैद होने पर मजबूर होते दिखाई दिए। आज सबसे अधिक तापमान गिरने के कारण लोग घरों में कैद हो गए तथा बाजारों में भी सन्नाटा पसर गया। मौसम में हर रोज ठंड का सितम बढ़ता ही जा रहा है जिसके चलते बुधवार को सबसे ठंडा दिन रहा यूं तो जनवरी का मौसम हाड़ कंपकंपा देने वाली ठंड का महिना होता है, पूरे दिन ठंड के कारण बाजारों की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा तो हाईवे पर वाहनों की आवाजाही पर भी ब्रेक देखने को मिला। लोग

जरूरी काम के लिए ही घर से बाहर निकले, वरना घर में ही आग के सहारे से ही पूरा दिन काटा। हाड़ कंपकंपा देने वाली ठंड के चलते ग्राहक बाजार में देखने तक को नहीं मिल रहे व्यापारी ठंड के चलते हाथ पे हाथ रखे पूरे दिन बूनी बट्टा तक करने की इंतजार में बैठे रहते हैं। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को अधिकतम तापमान 9.8 व न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस रहा। मजदूर तपके के लोग मजदूरी के लिए भी तरसने लगे है नगीना मजदूरों का लगने वाले बाजार में मजदूरी की तलाश में लोग आते है और ठंड में इस उम्मीद का इंतजार करते है कि आज कोई मजदूरी पर ले जाने वाला आये इसी इंतजार में सुबह 10 से 11बजे तक खड़े रहकर घर वापस चले जाते है भीषण ठंड से कुछ राहत पाने के लिए लोग अपने-अपने घरों के अंदर व व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के सामने ही आग का सहारा लेने पर मजबूर होते दिखाई दिए। जनवरी माह का सबसे अधिक ठंडा दिन होने के कारण बाजारों में भी सन्नाटा रहा और व्यापारी भी हाथ पैर हाथ रखे बैठे रहे।

गुरुग्राम पुलिस ने स्टंटबाजों की निकाली हेकड़ी, काबू कर कान पकड़कर मंगवाई माफी, कार की छत पर चढ़ किया था डांस

गुरुग्राम : गुरुग्राम पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त कार्यवाही करते हुए सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर स्टंटबाजी करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में आरोपी थाना खेड़की दौला, गुरुग्राम के क्षेत्र में सैक्टर-85 रोड़ पर कार में सवार होकर छत पर जानलेवा स्टंट व हुड़दंग करते हुए दिखाई दे रहे थे।
सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में गाड़ी चालक व उसके साथियों द्वारा स्वयं व अन्य राहगीरों की जान जोखिम में डालने की गंभीर लापरवाही को देखते हुए गुरूग्राम पुलिस द्वारा स्टंटबाजो के खिलाफ पुलिस थाना खेड़की दौला, गुरुग्राम में दिनांक 12.01.2026 को संबंधित धाराओं के तहत अभियोग अंकित किया गया। उक्त अभियोग में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना खेड़की दौला, गुरुग्राम की टीम ने स्टंटबाजी करने वाले 6 आरोपियों को गुरुग्राम से काबू करके अभियोग में नियमानुसार शामिल अनुसंधान

किया गया, जिनकी पहचान 1. शौकीन (उम्र-33 वर्ष), 2. मनीष (उम्र-32 वर्ष), 3. लोकेश (उम्र-24 वर्ष), 4. सुभाष (उम्र-39 वर्ष), 5. विकाश (उम्र-29 वर्ष) पांचों निवासी गांव अलखपुरा, जिला भिवानी (हरियाणा) व 6. सलीम (उम्र-35 वर्ष) निवासी सुलखनी, जिला हिसार (हरियाणा) के रूप में हुई। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में ज्ञात हुआ कि आरोपी शौकीन दौलतबाद में बिल्डिंग मैट्रियल का काम करता है व उपरोक्त अन्य आरोपी भी बिल्डिंग मैटीरियल का काम करते है।
उपरोक्त आरोपियों ने बताया कि आरोपी लोकेश का वजीरपुर दिल्ली में बिल्डिंग मैटीरियल का काम है व वहां से उपरोक्त आरोपी पार्टी करके शौकीन की गाड़ी से शौकीन के बिल्डिंग मैटीरियल ऑफिस दौलताबाग जा रहे थे, इसी दौरान इन्होंने एक्सप्रेस-वे पर स्टंटबाजी करके उपरोक्त अभियोग की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जा से उपरोक्त वारदात को अंजाम देने में प्रयोग की गई कार बरामद की गई है। अभियोग का अनुसंधान जारी है। गुरुग्राम पुलिस सभी से अपील करती है कि सड़क पर किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं स्टंटबाजी न करें। ऐसे कृत्य न केवल स्वयं के लिए बल्कि अन्य लोगों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करते हैं। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध गुरुग्राम पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही की जाती रहेगी।

एससी/एसटी एक्ट दर्ज होने पर व्यक्ति की मौत, परिजनों ने शव रखकर किया रोड जाम, पुलिस पर भी आरोप

होडल : पलवल जिले के होडल क्षेत्र के गांव बनचारी में कुछ दिन पहले हुए चोरी के एक मामले से जुड़ा विवाद अब गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है। बाल्मीकी समाज से जुड़े एक नाबालिग बच्चे पर चोरी का आरोप लगने के बाद ब्राह्मण परिवार के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया गया था।
इसी मामले से कथित रूप से उत्पन्न तनाव के बीच ब्राह्मण समाज से जुड़े 59 वर्षीय राजेंद्र की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों ने शव को गांव में रोड पर रखकर जोरदार प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज मुकदमे और लगातार पुलिस दबाव के कारण परिवार मानसिक तनाव में

था, जिसके चलते राजेंद्र की तबीयत बिगड़ी और उनकी मौत हो गई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि शिकायतकर्ता जितेंद्र चंदेलिया के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया जाए तथा कथित झूठे मुकदमे को रद्द किया जाए।युवक पर घर में घुसने का आरोप गांव के पूर्व सरपंच पूर्व सरपंच ने बताया कि कुछ दिन पहले बाल्मीकी समाज के 3 युवक गांव में घूम रहे थे, जिनमें से एक रात के समय एक ब्राह्मण परिवार के घर में घुस गया था। शोर सुनकर घरवालों ने बच्चे को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया था। पूर्व सरपंच ने बताया कि इसके बाद परिवार पर एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया गया, जिससे विवाद लगातार बढ़ता चला गया। आरोप यह भी लगाया गया कि समझौते के नाम पर मृतक के परिवार से 40 लाख रुपये की मांग की गई थी, जिससे परिवार दहशत में था।
सूचना मिलने पर पुलिस बल मौके पर पहुंचा और डीएसपी साहिल ने परिजनों से बातचीत की। पुलिस के आश्वासन पर परिजनों का धरना खत्मडीएसपी साहिल ने बताया कि पुलिस ने परिजनों से प्रर्दशन खत्म करने का अनुरोध किया। परिजनों के साथ सहमति बनी कि शिकायत के आधार पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा और निष्पक्ष जांच की जाएगी। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए सहमत हुए और शव को पोस्टमार्टम हेतु भिजवा दिया गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सोहना में दम्पति ने खुद की संतान न होने पर मकर सक्रांति पर लड़का-लड़की को लिया गोद, हवन यज्ञ कर किया भंडारे का आयोजन

सोहना : मकर सक्रांति के शुभ अवसर पर सोहना खंड के गांव टेठंड बादशाहपुर निवासी अजय पाल ने अपने बड़े भाई सोरेन सिंह राघव के बेटे राहुल व छोटे भाई सूरजपाल सिंह राघव की बेटी ऋतु को अदालत से गोद लेने के बाद समाज के मौजिज लोगों के सामने सामाजिक रूप से अपना लिया है। दोनों बच्चों को गोद लेने की प्रकिया हवन यज्ञ के साथ शुरू की गई, जहाँ पर परिवार सहित रिश्तेदार व इलाके के मौजिज लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। दरअसल इस कार्यक्रम का आयोजन अजय पाल राघव ने दोनों बच्चों को गोद लेने की खुशी में किया है। जहां पर इलाके के मौजिज लोग परिवार के सदस्य व रिश्तेदार शामिल है। अजय पाल सिंह निवासी टेठंड बादशाहपुर को अपनी पत्नी शर्मिला देवी से कोई संतान नहीं हुई जिसके बाद दोनों पति-पत्नी ने आपस में मिलकर अपने बड़े भाई के बेटे राहुल व छोटे भाई की बेटी ऋतु को अपनाने व गोद लेने का फैसला लिया। जिसके बाद 6 जनवरी 2026 को पहले तो दोनों बच्चों को गोद लेने की अदालती कार्यवाही पूरी की गई। उसके बाद आज मकर सक्रांति वाले दिन अजय पाल व उनकी पत्नी शर्मिला ने दोनों बच्चों को सामाजिक रूप से अपनाने का फैसला लिया। जिसकी प्रकिर्या हवन यज्ञ के साथ शुरू की गई। इस खुशी के मौके पर इलाके के मौजिज लोगों को आमंत्रित कर सामूहिक भोज का भी आयोजन किया गया।

70-75 हजार करोड़ की लागत से खरखौदा में बनेगी सेटेलाइट सिटी, रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

बहादुरगढ़ : हरियाणा के खरखौदा क्षेत्र में जल्द ही दुनिया की जानी-मानी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी टेस्ला अपना प्लांट लगा सकती है। इसको लेकर प्रदेश सरकार और टेस्ला के अधिकारियों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है। यह कहना है खरखौदा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पवन खरखौदा का। पवन खरखौदा बहादुरगढ़ के मॉडर्न स्कूल में मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने महिलाओं को शॉल भेंट कर मकर संक्रांति की शुभकामनाएं भी दीं। विधायक पवन खरखौदा ने बताया कि मुख्यमंत्री स्तर पर टेस्ला कंपनी

के प्रतिनिधियों से लगातार संवाद चल रहा है और उम्मीद है कि जल्द ही इसको लेकर एमओयू साइन किया जा सकता है। विधायक पवन खरखौदा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से टेस्ला कंपनी के अधिकारियों की कई दौर की बातचीत हो चुकी है। हमें पूरी उम्मीद है कि जल्द ही एमओयू होगा और खरखौदा क्षेत्र में बड़े स्तर पर निवेश आएगा। इसके साथ ही विधायक ने बताया कि मारुति कम्पनी खरखौदा में आने से विकास के नए रास्ते खुले हैं। करीब 70 से 75 हजार करोड़ रुपये की लागत से खरखौदा को एक आधुनिक सेटेलाइट सिटी के रूप में भी विकसित किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में रोजगार और औद्योगिक विकास को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।
वहीं विधायक पवन खरखौदा ने बादली के विधायक कुलदीप वत्स को मिली धमकी के मामले पर भी प्रतिक्रिया दी। उनका कहना है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में नहीं छोड़ा जाएगा।
सरकार पूरी गंभीरता से कार्रवाई कर रही है। पवन खरखौदा ने आगामी बजट को लेकर भी भरोसा जताया और कहा कि देश और प्रदेश का बजट जनहित में होगा।

शराब पीने से युवक की मौत, 5 की हालत गंभीर, शराब ठेका सील

भिवानी : भिवानी जिले के गांव जाटू लोहारी में शराब पीने से 10 लोगों की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 5 की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना से गांव में हड़कंप मच गया और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, गांव जाटू लोहारी में कुछ लोगों ने एक साथ शराब का सेवन किया था। शराब पीने के कुछ समय बाद ही सभी की तबीयत खराब होने लगी। परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस व स्वास्थ्य विभाग को दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से सभी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। 5 लोगों की हालत नाजुकसरपंच मुकेश ने बताया कि जितेंद्र (35 वर्ष) की हालत ज्यादा गंभीर थी, जिसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अन्य पांच लोगों की स्थिति नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए भिवानी हायर सेंटर रेफर किया गया है। बाकी लोगों का भी अस्पताल में इलाज जारी है। शराब ठेका सीलघटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही कि शराब में कुछ था, या फिर कोई और कारण है। पुलिस शराब के सैंपल लेकर जांच के लिए शराब ठेका सील कर दिया गया है तथा यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शराब कहां से लाई गई थी। स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर है और पीड़ितों के इलाज की निगरानी कर रहा है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध शराब का सेवन न करें और इस तरह की गतिविधियों की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

'हरियाणा में चुनावों को पैसे के बल पर प्रभावित किया', दीपेंद्र हुड्डा ने बीजेपी पर साधा निशाना

जींद : रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने जींद में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि इनेलो (क्छछऊ) और अन्य निर्दलीय पार्टियां बीजेपी द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त करती हैं, जिससे हरियाणा में चुनावों को पैसे के बल पर प्रभावित किया गया। सांसद हुड्डा ने कहा, "बीजेपी केवल नाम की सरकार चलाती है, काम की नहीं। उन्होंने मनरेगा योजना को कमजोर किया है। महात्मा गांधी के नाम पर चल रही इस योजना का नाम बदलना समझ से परे है। बीजेपी के लोग अब राम के नाम को योजनाओं से जोड़ रहे हैं, जबकि भगवान राम ऊपर से देखकर कहते होंगे कि उनके नाम के साथ छल

किया जा रहा है।" हेरफेर कर वोट चोरी की कोशिश कर रही बीजेपी दीपेंद्र हुड्डा ने आगे कहा कि बीजेपी ने वोटर सूची में हेरफेर कर वोट चोरी की कोशिश की, लेकिन चुनाव आयोग ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिस भी राज्य में चुनाव होते हैं, वहां बीजेपी अपनी एजेंसियों का दुरुपयोग करती है और विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई करवाती है।जांच एजेंसियां कांग्रेस को टारगेट कर रही 2024 लोकसभा चुनाव से पहले के आंकड़ों का हवाला देते हुए दीपेंद्र हुड्डा ने बताया कि कांग्रेस के अधिकृत घोषित बैंक खाते में मात्र 133 करोड़ रुपये थे,
जबकि बीजेपी के खाते में साढ़े 10 हजार करोड़ रुपये थे। फिर भी एजेंसियां कांग्रेस नेताओं पर ही कार्रवाई कर रही थीं।
बीजेपी पैसे के बल पर चुनाव प्रभावित करती है
हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में भी बीजेपी ने पैसे के बल पर चुनाव प्रभावित करने की कोशिश की। आज बीजेपी के खाते में न जानें कितना अघोषित पैसा होगा? इनेलो और निर्दलीय पार्टियां जो बीजेपी के पक्ष में काम करती हैं, क्या वे बीजेपी द्वारा फाइनेंस की जा रही हैं?

तकनीकी परीक्षण से हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल में देर, टेस्टिंग में भी लगेगा अतिरिक्त समय

जींदः सोनीपत-जींद स्टेशन के बीच प्रस्तावित बहुप्रतीक्षित हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल तकनीकी परीक्षणों के चलते जनवरी में पूरा होता नजर नहीं आ रहा है। ट्रैक, ट्रेन और हाइड्रोजन प्लांट से जुड़े तकनीकी पहलुओं में आ रही - जटिलताओं के कारण ट्रायल की समय-सीमा आगे बढ़ सकती है। ऐसे में अब हाइड्रोजन ट्रेन के फरवरी में ही ट्रैक पर दौड़ने की संभावना है। पहले जनवरी के अंत तक ट्रायल शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन मौजूदा प्रगति को देखते हुए यह - कार्य फरवरी में पूरा होने की संभावना बन रही है। दरअसल, हाइड्रोजन ट्रेन के संचालन से पहले केवल ट्रैक की जांच ही नहीं, बल्कि ट्रेन की कार्यक्षमता, सुरक्षा मानकों और इंधन आपूर्ति प्रणाली की भी बारीकी से टेस्टिंग की जानी है। खास तौर पर हाइड्रोजन गैस के भंडारण और उपयोग को लेकर अतिरिक्त सामभानी बरती जा रही है। हाइड्रोजन गैस अत्यधिक संवेदनशील होती है और इसमें मौजूद नमी ट्रेन के इंजन व फ्यूल सेल सिस्टम को प्रभावित कर मकती है। इसी समस्या के समाधान के लिए हाइड्रोजन प्लांट में विशेष हीटर लगाए जाएंगे, ताकि गैस में मौजूद नमी को पूरी तरह सुखाया जा सके। हाइड्रोजन ट्रेन 360 किलोग्राम

हाइड्रोजन ईंधन में करीब 180 किलोमीटर का सफर तय करने में सक्षम होगी। जींद से सोनीपत की दूरी लगभग २० किलोमीटर है। ट्रेन की अधिकतम गति 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। संचालन से पहले सुरक्षा नियंत्रण उपकरण, स्पीड सेसर और कंट्रोल सिस्टम को अलग-अलग गति स्तरों पर परखा जाएगा, ताकि ट्रेन निधारित मानकों के अनुरूप सुरक्षित रूप से संचालित हो सके। स्टेशनरी ट्रायल के बाद रनिंग ट्रायल किया जाएगा, जिसमें अभी कुछ और समय लग सकता है। अभी सोनीपत ट्रैक और हाइड्रोजन ट्रेन का ट्रायल होना की है। इनकी टेस्टिंग को जाएगी। इन कायों में अभी समय लगेगा। बिजेंद्र कुमार, एसएसई, नई दिल्ली रेलवे प्रबंधन इस परियोजना में किसी भी तरह की जल्दबाजी नहीं करना चाहता और न ही सुरक्षा से समझौता। इसी कारण सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने के बाद ही हाइड्रोजन ट्रेन के ट्रायल को अंतिम रूप दिया जाएगा।

खबर एक्सप्रेस

हरियाणा में बड़े पैमाने पर प्रमोशन, 50 बीईवो बनें डिप्टी डीओ

चंडीगढ़ : हरियाणा शिक्षा विभाग में कार्यरत 50 खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईवो) को पदोन्नत कर डिप्टी जिला शिक्षा अधिकारी (डिप्टी डीवो) नियुक्त किया गया है। शिक्षा निदेशालय की ओर से इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिसके बाद संबंधित अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार यह पदोन्नति लंबे समय से लंबित थी, जिसे अब पूरा कर लिया गया है। इससे जिला स्तर पर शैक्षणिक प्रशासन को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। साथ ही शिक्षा विभाग की ओर से जल्द ही 89 प्रधानाचार्यों की पदोन्नति सूची भी जारी किए जाने की तैयारी है। इन प्रधानाचार्यों को आगामी प्रक्रिया के तहत खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाएगा।

एचपीएससी ने जारी किया पीजीटी इंग्लिश भर्ती का रिजल्ट

हरियाणा : हरियाणा लोक सेवा आयोग ने पीजीटी इंग्लिश भर्ती प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण चरण पूरा करते हुए स्क्रीनिंग टेस्ट का परिणाम जारी कर दिया है। आयोग द्वारा जारी सूची के अनुसार कुल 716 उम्मीदवारों ने मुख्य परीक्षा के लिए क्वालीफाई किया है। हालांकि मुख्य परीक्षा की तिथियों की घोषणा आयोग द्वारा बाद में की जाएगी। बताया जा रहा है कि आयोग ने पीजीटी इंग्लिश के कुल 174 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। वहीं रिजल्ट जारी करने के साथ ही आयोग ने कड़ा रुख अपनाते हुए 44 उम्मीदवारों की ओएमआर (ओएमआर) शीट को रिजेक्ट कर दिया है।

इस वजह से साहा चौक को मिली जाम से मुक्ति, अब नहीं थमेगा पहिया

बराड़ा : अंबाला-जगाधरी नेशनल हाईवे पर स्थित साहा चौक, जो कभी वाहन चालकों के लिए सिरदर्द बना रहता था, अब वहां यातायात सुगम हो गया है। साहा ट्रैफिक इंचार्ज ए.एस.आई. अजय कुमार ने बताया कि साहा चौक एक बेहद व्यस्त चौराहा है। बताया जा रहा है कि यहां भारी वाहनों और स्कूली बसों का दबाव हमेशा रहता था। चौक बड़ा होने की वजह से बड़े वाहनों को मुड़ने में दिक्कत आती थी, जिससे पीछे लंबा जाम लग जाता था। अब चौक छोटा होने से गाड़ियों को मुड़ने के लिए पर्याप्त जगह मिल रही है। इस छोटे से बदलाव का असर अब सड़कों पर साफ दिखने लगा है। पीक ऑवर्स में भी अब यहां गाड़ियां रेंगती नहीं, बल्कि अपनी रफ्तार से चलती नजर आती हैं। वहीं स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने भी इस पहल की सराहना की है। लोगों का कहना है कि अब न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि भारी जाम से होने वाली मानसिक परेशानी भी खत्म हुई है। वहीं ट्रैफिक पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे लेन ड्राइविंग का पालन करें ताकि सफर और भी सुरक्षित और सुगम बना रहे।

रोजगार के लिए यूपी से आई महिला से 4 युवकों ने की घिनौनी हरकत, पुलिस ने ऐसे दबोचे आरोपी

बहादुरगढ़: बहादुरगढ़ में महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में झज्जर पुलिस ने 8 घंटे में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कमिश्नर बहादुरगढ़ डॉ. राजश्री सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश निवासी एक महिला काम की तलाश में फूफा के साथ बस से बहादुरगढ़ आई थी। 12 जनवरी की रात 2 बजे वह श्रीराम मेट्रो स्टेशन, बहादुरगढ़ पर उतरी। इसी दौरान पांच युवकों ने उसका पीछा किया और रात करीब ढाई बजे दिल्ली-रोहतक रोड स्थित एक ढाबे पर ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। महिला थाना बहादुरगढ़, थाना शहर बहादुरगढ़ और सीआईए की विशेष टीमों ने पीड़िता के बयान दर्ज किए। थाना शहर बहादुरगढ़ में मामला दर्ज किया गया। सीआईए टीम ने पेशेवर तरीके से कार्य करते हुए घटनास्थल एवं आसपास लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की गहन जांच की। आरोपियों द्वारा शराब के ठेके पर ट्रांजक्शन के माध्यम से भुगतान किया गया था, जिसका डिजिटल पीड़िता रिकॉर्ड पुलिस जांच में अत्यंत सहायक साबित हुआ। डिजिटल साक्ष्य के साथ-साथ फोन रिकॉर्ड, सोशल मीडिया व गुप्त सूत्रों की सहायता से छोटू रामनगर क्षेत्र में मूल रूप से बिहार निवासी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया

हरियाणा पुलिस कांस्टेबल भर्ती को लेकर आया बड़ा अपडेट, एचएसएससी चेयरमैन ने दी डेडलाइन

चंडीगढ़ : हरियाणा में कांस्टेबलों के 5500 पदों पर भर्तियों को लेकर चल रही आवेदन प्रक्रिया के बीच हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने साफ कर दिया सिंह। इंटरनेट है कि तय समय सीमा के बाद आवेदन का दूसरा अवसर नहीं दिया जाएगा। आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने मंगलवार को इंटरनेट मीडिया एक्स पर इस संबंध में जानकारी दी। सरकार ने हाल ही में पुलिस सिपाही भर्ती निकाली है। एचएसएससी ने 5500 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। इससे पहले 5061 पदों पर सबसे बड़ी भर्ती हुई थी। 4500 पुरुष कांस्टेबल और 600 महिला कांस्टेबलों भर्ती किए जाएंगे। इनके साथ जीआरपी के लिए 400 मेल कांस्टेबल के पद रिजर्व रखे गए हैं। इस बार आवेदन करने के लिए कोई फीस नहीं रखी गई है। भर्ती के लिए 11 जनवरी से आनलाइन आवेदन शुरू हो चुके हैं। 25 जनवरी की रात 11:59 तक वे अपना आवेदन आनलाइन जमा कर सकते हैं। इस बीच कुछ लोगों द्वारा आवेदनों की अंतिम तिथि बढ़ाए जाने को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा था। जिसके जवाब में मंगलवार को आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह ने कहा कि पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी है।

2022 में हुई शादी, 2 साल की ही बेटी...संदिग्ध परिस्थिति में बाथरूम के अंदर मिली युवती

फरीदाबादः सेक्टर-56 आशियाना फ्लैट में 23 वर्षीय विवाहिता मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थिति में बाथरूम के अंदर मृत पाई गई। उसके पिता ने पति व अन्य ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। विवाहिता के पिता नहरपार निवासी राजू ने बताया कि साल 2022 में बेटी संगीता की शादी आ शियाना फ्लैट सेक्टर-56 में रहने वाले रिंकू के साथ की थी। रिंकू पेट्रोल पंप पर काम करता है। उनकी दो साल की बेटी है। राजू का आरोप है कि संगीता के ससुराल वाले उसे दहेज के लिए परेशान करते थे। वे उनसे कई बार कार व रुपयों की मांग कर चुके थे। मांग पूरी न होने पर संगीता को ससुराल में प्रताड़ित किया जाता था। मंगलवार सुबह रिंकू ने उन्हें सूचना दी कि संगीता बाथरूम में अचेत अवस्था में पड़ी हुई है। राजू का कहना है कि वे मौके पर पहुंचे तो बेटी को बाथरूम में पड़े हुए पाया। उनका कहना है कि उसकी गर्दन पर निशान है।

विराट कोहली की बादशाहत फिर कायम, आईसीसी रैंकिंग में एक बार फिर बने नंबर 1

राजकोट (एजेंसी)। वनडे क्रिकेट में विराट कोहली की शानदार फॉर्म ने उन्हें जुलाई 2021 के बाद पहली बार आईसीसी बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंचा दिया है। कोहली ने रविवार को वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में भारत की जीत की नींव रखते हुए 91 गेंदों पर 93 रनों की तूफानी पारी खेली और अपने साथी खिलाड़ी रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर पुनः कब्जा जमा लिया।

जुलाई 2021 के बाद यह पहली बार है जब दिग्गज क्रिकेटर ने वनडे रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल किया है। कोहली पहली बार अक्टूबर 2013 में शीर्ष पर पहुंचे थे और आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, अब यह उनका 11वां कार्यकाल है। अब तक, उन्होंने शीर्ष पर कुल 825 दिन बिताए हैं - जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा कुल मिलाकर 10वां सबसे अधिक और किसी भारतीय द्वारा सबसे अधिक है। विराट कोहली पिछले साल अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत वनडे श्रृंखला के आखिरी मैच के बाद से शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अपने पिछले सभी सात 50 ओवर के मैचों में पचास से अधिक का स्कोर बनाया है। उनकी पिछली सात पारियों के स्कोर इस प्रकार हैं- 93, 77 (विजय हजारे ट्रॉफी), 131 (विजय हजारे ट्रॉफी), 65, 102, 135 और 74।

2025 में, कोहली ने 13 वनडे मैचों में 65.10 के शानदार औसत से 651 रन बनाए और कैलेंडर वर्ष में भारत के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरे। अपने शानदार करियर में कोहली ने 11वीं बार आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। इस प्रारूप में उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। पिछले साल अक्टूबर में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपने पहले अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट होने के बाद, कोहली ने सिडनी में 74 रनों की शानदार पारी खेलकर भारत को वनडे सीरीज में सांत्वनापूर्ण जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। घरेलू मैदान पर वापसी करते हुए, उन्होंने नवंबर-दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में 135, 102 और नाबाद 65 रन बनाए।

इंडिया ओपन 2026: पीवी सिंधू पहले दौर में बाहर, वियतनाम की एनगुएन से मिली शिकस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू को इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में घरेलू दर्शकों के सामने निराशा हाथ लगी। महिला एकल के पहले दौर में सिंधू ने दमदार शुरुआत करते हुए पहला गेम जरूर जीता, लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सकीं और वियतनाम की थुई लिन एनगुएन के खिलाफ कड़े मुकाबले में हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी और 2017 की इंडिया ओपन चैंपियन सिंधू को 1 घंटे 8 मिनट तक चले इस मुकाबले में 22-20, 12-21, 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मुकाबले के पहले गेम में सिंधू ने अनुभव का फायदा उठाया, लेकिन दूसरे और तीसरे गेम में एनगुएन ने बेहतर फिटनेस और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया।

यह हार सिंधू के लिए इसलिए भी चौंकाने वाली रही, क्योंकि वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में सेमीफाइनल तक का सफर तय कर शानदार फॉर्म में नजर आ रही थीं। घरेलू कोर्ट पर उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन दबाव के क्षणों में वह बढ़त को भुना नहीं सकीं।

वहीं, विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज थुई लिन एनगुएन ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में मजबूत दावेदारी पेश की और अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। सिंधू की जल्दी विदाई से भारतीय प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है।

डब्ल्यूपीएल में हरमनप्रीत के अर्धशतक से मुम्बई ने गुजरात जायंट्स को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत कौर के शानदार अर्धशतक से मुंबई इंडियंस ने यहां महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) के मैच में गुजरात जायंट्स को सात विकेट से हरा दिया। इस मैच में हरमनप्रीत ने 71 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी और वह अंत तक आउट नहीं। भारती फुलमाली 36 और जॉर्जिया वेयरहैम के 43 रनों की सहायता से गुजरात जाइंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 192 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य की शुरुआत करते हुए मुम्बई इंडियंस की ओर से हरमनप्रीत ने तेजी से खेलते हुए 33 गेंद में ही अपने 50 रन पूरे कर लिए। हरमनप्रीत ने इसी के साथ ही डब्लयूपीएल में अपना 10 वां शतक लगाया। वहीं हरमनप्रीत के इस लीग में एक हजार रन भी पूरे हो गये हैं। उन्होंने 43 गेंद में सात चौकों और दो छक्के लगाकर 71 रन भी बनाये। वहीं मुंबई के दो विकेट पावरप्ले में ही 37 रन पर गिर गए।

दोनों के बीच 43 गेंद में 84 रन की साझेदारी भी हुई। मुंबई ने इस मैच में चार गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। मुंबई के दो विकेट पावरप्ले के अंदर ही 37 रन पर गिर गए थे। इसके बाद हरमनप्रीत ने अमनजोत कौर के साथ 44 गेंद में 72 रन की साझेदारी कर टीम को आगे बढ़ाया। अमनजोत 40 रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद निकोल कैरी ने तेजी से छह चौके लगाकर 22 गेंद में नाबाद 37 रन बनाकर टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाया। निकोल और हरमनप्रीत के बीच 43 गेंद में 84 रन की साझेदारी हुई जिससे टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली।

डेथ ओवरों में केएल राहुल साबित कर रहे हैं अपना दबदबा

मुंबई (एजेंसी)। राजकोट-वनडे इंटरनेशनल में केएल राहुल की असली वैल्यू अब पारी के आखिरी फेज में महसूस की जा रही है, और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका नाबाद शतक इस बात का एक और सबूत था कि जब प्रेशर सबसे ज़्यादा होता है, तो वह कितने निर्णायक बन जाते हैं।

राहुल ने यहां निरंजन शाह स्टेडियम में बिना किसी जल्दबाजी के 112 रन बनाकर अपना आठवां वनडे शतक पूरा किया, और एक बार फिर सबसे मुश्किल समय में टीम को संभाला। यह मील का पत्थर शानदार तरीके से हासिल हुआ, जब काइल जैमीसन ने राहुल के पैड्स पर फुल टॉस फेंकी, जिसे दाएं हाथ के बल्लेबाज ने शांति से आगे बढ़कर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्के के लिए भेज दिया। हेलमेट उतारकर और बल्ला उठाकर, राहुल ने शांत आत्मविश्वास के साथ इस पल का जश्न मनाया।

भारत 118 रन पर 4 विकेट गंवाकर कुछ

मुश्किल में था, लेकिन राहुल की मौजूदगी से तुरंत स्थिरता आई। उन्होंने शुरुआत में तेजी लाने की जल्दबाजी नहीं की, गैप्स का फायदा उठाया और तेजी लाने के लिए सही पलों का इंतजार किया, पारी को आगे बढ़ाया और आखिरी ओवरों में कमान संभाली। उनका हालिया प्रदर्शन इस फिनिशिंग रोल को दिखाता है। राहुल के पिछले चार वनडे स्कोर अब 60, 66 नाबाद, 29 नाबाद और 112 नाबाद हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके आंकड़े और भी प्रभावशाली हैं। उन्होंने 10 पारियों में 93.8 की औसत और 111.13 के स्ट्राइक रेट से 469 रन बनाए जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है, बुधवार का नाबाद 112 उनका सर्वोच्च स्कोर है। इसका असर डेथ ओवरों में सबसे साफ दिखता है। 2025 से राहुल ने फुल मेंबर टीमों में ओवर 41 से 50 के बीच सबसे ज़्यादा वनडे रन बनाए हैं, 140.09 के स्ट्राइक रेट से 283 रन बनाए हैं।

वह एक ऐसी लिस्ट में सबसे ऊपर हैं जिसमें ग्लेन फिलिप्स (244 रन), जनिथ लियानागे (201), जस्टिन ग्रीव्स (194) और कॉर्बिन बॉश (162) शामिल हैं, जो पारी के आखिर में उनकी बढ़ती अथॉरिटी को दिखाता है। जैसे-जैसे मैच आखिरी 10 ओवरों में तय हो रहे हैं, राहुल की शांति और फिनिशिंग क्षमता उन्हें चुपचाप भारत के सबसे वैल्यूएबल वनडे बल्लेबाजों में से एक बना रही है।

रोहित ने एकदिवसीय में अपने 7,000 रन पूर किये

राजकोट । भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में अपनी 24 रनों की पारी के दौरान ही एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया। रोहित ने इस मैच में अपने 7000 रन पूरे कर लिए। रोहित ने इस मैच के साथ ही एशिया में 7,000 एकदिवसीय रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले सातवें बल्लेबाज़ बन गए। इस खास क्लब में पहले से सचिन तेंदुलकर, महेन्द्र सिंह धोनी, विराट कोहली और श्रीलंका के कुछ दिग्गज बल्लेबाज़ शामिल हैं। रोहित ने साल 2007 में आयरलैंड दौरे पर भारत के लिए अपना एकदिवसीय डेब्यू किया था। तब से लेकर अब तक वह 281 एकदिवसीय मैचों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग भूमिकाओं में अपने को साबित किया। रोहित ने अब तक एशिया में 165 एकदिवसीयमुकाबले खेले हैं। इनमें भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई और पाकिस्तान में खेले गए मैच शामिल हैं। खास बात यह है कि इनमें से 99 मैच उन्होंने घरेलू मैदान पर खेले हैं, जहां उनका औसत 56.85 का रहा है और उन्होंने 5,000 से अधिक रन बनाए हैं।

ग्रीजमैन के गोल से कोपा डेल रे के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा एटलेटिको मैड्रिड

मैड्रिड । एंटोनी ग्रिजमैन ने फ्री किक पर दर्शनीय गोल किया जिससे एटलेटिको मैड्रिड ने डेपोर्टिवो ला कोरुना को 1-0 से पराजित करके कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ग्रीजमैन ने 61वें मिनट में बाएं पैर से करारा शॉट लगाकर यह गोल किया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। इस तरह से 34 वर्षीय ग्रीजमैन ने पिछले छह मैचों में पांचवां गोल दागा। एटलेटिको मैड्रिड की टीम सऊदी अरब में खेले गए स्पेनिश सुपर कप के सेमीफाइनल में रियाल मैड्रिड से 1-2 से हार गई थी। कोपा डेल रे के अन्य मैचों में रियाल सोसिदाद ने ओसासुना को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच नियमित समय और अतिरिक्त समय में 2-2 से बराबर रहा था। एथलेटिक बिलबाओ ने दूसरी डिवीजन की टीम कल्चरल लियोनेसा को 4-3 से हराया।

विराट जब तक खेल का आनंद लेते हुए रन बना रहे हैं तब तक खेलेंगे : रमन

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर डब्ल्यूवी रमन ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट तब तक खेलते रहेंगे जब वह खेल का आनंद लेते हुए अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। रमन ने कहा कि विराट में खेल के प्रति जुनून होने के साथ ही उसके प्रति प्रतिबद्धता भी अटूट है। 36 साल की उम्र में भी वह फिट है और लगातार रन बना रहे हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 93 रनों की पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विराट अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं। रमन ने कहा, ऐसे क्रिकेटर आमतौर पर खेलने का फैसला इस आधार पर फैसले लेते हैं कि सुबह उठने पर उन्हें कैसा महसूस होता है। ऐस में वह तब तक खेलते रहेंगे जब तक खेल का मजा लेते हुए रन बनाते रहेंगे। वहीं जब तक वह अपने नाम के अनुसार खेल नहीं पायेंगे तो संन्यास में देर नहीं करेंगे। विराट ने अब तक 557 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 52.66 के औसत से 84 शतक और 146 अर्धशतक लगाये हैं। रमन ने कहा कि अपनी प्रदर्शन से वह आलोचकों को चुप कराते रहते हैं और संदेश देते हैं कि खेल से केवल अपनी शर्तों पर ही हटेंगे। उन्होंने साथ ही कहा, कोहली अपने आलोचकों को संदेश दे रहे हैं कि वह आने वाले समय में टिके रहेंगे और जब उन्हें ठीक नहीं लगेगा, तभी स्टेज छोड़ेंगे। और यह बिल्कुल सही भी है।

पाक मूल के चार अमेरिकी खिलाड़ियों को अब तक नहीं मिला टी20 विश्वकप के लिए वीजा

मुम्बई (एजेंसी)। अमेरिकी क्रिकेट टीम में शामिल पाकिस्तानी मूल के चार खिलाड़ियों को अभी तक वीजा नहीं मिला है। ऐसे में इनके अगले माह भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप में खेलने पर संशय बना हुआ है। पाक मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज अली खान ने सोशल मीडिया में कहा है कि भारत ने उनका वीजा आवेदन खारिज कर दिया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के चार खिलाड़ियों के वीजा आवेदन अभी भी पूरे नहीं हुए हैं। इससे टूर्नामेंट की तैयारियों को लेकर अनिश्चितता ओर बढ़ गई है। इससे पहले भी टीमों की यात्रा और मेजबानी को लेकर परेशानियां आयीं थीं।

अमेरिका की टीम के चार खिलाड़ी अली खान, शयान जहांगीर, मोहम्मद मोहसिन और एहसान आदिल अभी तक वीजा मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। ये सभी खिलाड़ी पाक मूल के हैं। ये खिलाड़ी अभी विश्वकप की तैयारी के लिए अमेरिका टीम के साथ श्रीलंका दौर पर हैं। इन खिलाड़ियों ने कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग में वीजा के लिए आवेदन किया पर अभी तक इन्हें वीजा नहीं मिला है। कहा जा रहा है कि इस आवेदन की अभी समीक्षा हो रही है।।

वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के एक अधिकारी के अनुसार, खिलाड़ियों से पहले सभी जरूरी दस्तावेज जमा कर दिए थे। इस मामले में कुछ जरूरी सूचनाएं मिल चुकी हैं, जबकि कुछ जानकारी अभी भारत के विदेश मंत्रालय से आनी बाकी है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही खिलाड़ियों से आगे संपर्क किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों के वीजा आवेदन भारतीय सरकार के नियमों के तहत 'विशेष श्रेणी' में आते हैं। उन्होंने साफ किया कि यह अतिरिक्त जांच किसी खिलाड़ी, टीम या टूर्नामेंट के खिलाफ नहीं होती, बल्कि यह तय नियमों के अनुसार की जाती है।

गौरतलब है कि पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को भारत आने में वीजा देरी का सामना करना पड़ा है, चाहे वे किसी भी देश की टीम से खेलते हों।

एशियन गेम्स 2026 मुकाबले 19 सितंबर से शुरु होंगे

नई दिल्ली । जापान में होने वाले आइची-नागोया एशियन गेम्स क्रिकेट 2026 मुकाबलों का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये मुकाबले 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक चलेंगे हालांकि क्रिकेट सहित कई अन्य मुकाबले 17 सितंबर से 3 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। इसमें क्रिकेट के मुकाबले टी20 प्रारुप में खेले जाएंगे। इसमें पुरुष और महिला दोनों ही टीमों के बीच मुकाबले होंगे। ये सभी मुकाबले आइची प्रीफेक्चर के कोरोजी एथलेटिक पार्क में आयोजित किये जाएंगे। इसमें महिला वर्ग के मुकाबले 17 सितंबर से शुरू हो जाएंगे। इसके पदक मुकाबले 22 सितंबर से शुरू होंगे। इसमें क्वार्टर फाइनल से ही आठ टीमें सीधे ही नॉकआउट प्रारुप में उतरेंगी। इसमें भारतीय टीम मौजूदा चैंपियन होने के कारण अपने खिताब को बचाने उतरेगी। पुरुष टीम का क्रिकेट मुकाबला 24 सितंबर जबकि पदक मुकाबले 3 अक्टूबर से होंगे। इस टूर्नामेंट में कुल 10 टीमें शामिल होंगी। शीर्ष चार टीमें सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी जबकि शेष छह टीमें बाकी चार जगहों के लिए मुकाबले खेलेंगी। इस दौरान सभी मैच डबल-हेडर (एक ही दिन में दो मैच होंगे। ये मैच भारतीय समय के मुताबिक सुबह 5:30 बजे और सुबह 10:30 बजे शुरू होंगे। महिला क्रिकेट टूर्नामेंट 17 सितंबर से शुरू होगा। इसमें 8 टीमें हिस्सा लेंगी और मुकाबले नॉकआउट प्रारुप में खेले जाएंगे। भारत इस प्रतियोगिता में मौजूदा चैम्पियन के तौर पर उतरेगा, उसने 2023 के फाइनल में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

ब्रैंडन किंग की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए वाले ब्रैंडन किंग की कप्तानी में अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में युवा क्रेंटिन सैम्पसन को पहली बार शामिल किया गया है। ये सीरीज 9 से 22 जनवरी तक दुबई में खेली जाएगी। नियमित कप्तान शाई होप के नहीं होने से ब्रैंडन को कप्तानी मिली है। होप अभी एस20 में व्यसत हैं। होप के अलावा रोस्टन चेज, अकील हुसैन और शेरफेन रदरफोर्ड भी टीम में नहीं हैं। 25 वर्षीय गयाना अमेजन वॉरियर्स के बल्लेबाज सैम्पसन कैरेबियन प्रीमियर लीग 2025 के बेहतरीन खिलाडियों में से एक थे, उन्होंने नौ मैचों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाए थे। शमर जोसेफ और एविन लुईस भी टीम में वापस आ गए हैं, पिछली सीरीज में लगी

चोटों से उबरने के बाद उन्हें खेलने की मंजूरी मिल गई है।

अल्जारी जोसेफ, जो पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण भारत में टेस्ट सीरीज से बाहर थे, उन्हें रिहैबिलिटेशन में प्रगति के बावजूद टीम में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि यह फैसला मेडिकल जांच के बाद लिया गया है, तेज गेंदबाज को टी20 विश्व कप के लिए संभावित चयन से पहले निगरानी में रखा जाएगा। वहीं काम का बोझ कम करने के लिए वकलोंड मैनेजमेंट के तहत रोवमैन पॉवेल को जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड के साथ सीरीज से आराम दिया गया है। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा कि अफगानिस्तान सीरीज भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम

ब्रैंडन किंग (कप्तान), एलिक अथानाज़े, केसी काटर, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्डे, जस्टिन ग्रीव्स, शिमरोन हेटमायर, आमिर जांगू, शमर जोसेफ, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, खैरी पियरे, क्रेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रेमन सिमंड्स, शमर स्प्रिंगर।

पूर्व पाक क्रिकेटर अजमल ने आईसीसी पर निशाना साधा : बीसीसीआई के दबाव में फैसले लेने का आरोप लगाया

कराची । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर सईद अजमल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर जमकर निशाना साधा है। अजमल ने कहा है कि अगर आईसीसी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के दबाव में फैसले लेती है तो उसका रहने का कोई मतलब नहीं है। अजमल ने कहा, 'अगर आईसीसी विश्व क्रिकेट के हित में निष्पक्ष तरीके से फैसला नहीं कर सकती है तो उसे अपना कामकाज बंद कर देना चाहिए। अजमल ने कहा कि आज अधिकतर टेस्ट खेलने वाले देशों का मानना है कि विश्व क्रिकेट में भारतीय बोर्ड का दबदबा है और आईसीसी भी उसकी बात नहीं टाल पाता पर कोई भी खुलकर ये बात नहीं कहता है। उन्होंने कहा कि भारत का आईसीसी प्रतियोगिताओं में भी पाकिस्तान में खेलने से इनकार करना साबित करता है कि उसपर विश्व संस्था का कोई दबाव नहीं चल पाता है। आईसीसी एक प्रकार से बीसीसीसीआई के आधीन नजर आता है। अजमल के अनुसा भारतीय टीम बिता किसी ठोस कारण के पाकिस्तान में खेलने से इंकार कर देती है और आईसीसी इसे मान लेती है। इसका एक कारण ये भी है कि अब इसमें आईसीसी चेयरमैन सहित अधिकतर भारतीय शामिल हैं। गौरतलब है कि भारतीय टीम सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान की यात्रा नहीं करती है। भारत सरकार का मानना है कि जब तक पाक आतंक वाद को समर्थन देता रहेगा उससे खेला नहीं जा सकता है। केवल आईसीसी टूर्नामेंटों में ही भारतीय टीम पाक से खेलती है। इससे पहले भी पाक के कई क्रिकेटरों ने भारतीय टीम के पाकिस्तान दौरे पर नहीं आने की आलोचना करते हुए कहा है कि खेल को राजनीति से अलग रखा जाना चाहिये।

किदांबी श्रीकांत ने किया इंडिया ओपन का बचाव, हर देश में कोई ना कोई कमी होती है

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को कहा कि उन्हें इंडिया ओपन की मेजबानी कर रहे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेलने की स्थितियों में कुछ भी गलत नहीं लगा और हर मेजबान देश में कोई ना कोई कमी होती ही है। भारत के दिग्गज खिलाड़ी श्रीकांत ने साथ की कहा कि ऐसी चुनौतियां खेल का हिस्सा हैं और यह किसी एक मेजबान देश तक सीमित नहीं हैं और प्रत्येक मेजबान स्थल पर कमियां नजर आती हैं।

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने मंगलवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम

परिसर की सुविधाओं और आसपास के माहौल की आलोचना करते हुए उन्हें गंदा और स्वास्थ्य के लिए खराब बताया था। उन्होंने साथ ही विश्व बैडमिंटन महासंघ से इस साल अगस्त में इसी स्थल पर होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले दखल देने का आग्रह किया था। हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हराने के बाद 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने कहा कि उन्हें यह बात समझ ही नहीं आ रही कि मेजबान स्थल की आलोचना क्यों हो रही है। श्रीकांत ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि ऐसा क्यों हो रहा है क्योंकि हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। सिंगापुर में बहुत अधिक ड्रिफ्ट होता है और मलेशिया में शायद इसकी तुलना में थोड़ा कम। इंडोनेशिया में नवीनीकरण से पहले शटल काफी तेज जाती थी। हर देश की अपनी चुनौती होती है।' ब्लिचफेल्ट की टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर श्रीकांत ने कहा कि उन्होंने उनका बयान विस्तार से नहीं पढ़ा है लेकिन उन्हें लगता है कि हालात अस्वीकार्य नहीं थे। श्रीकांत ने कहा, 'सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा है। लेकिन मुझे लगता है कि परिस्थितियां ठीक हैं। मैंने कोई बुरी चीज होते हुए नहीं देखी। उन्होंने कहा, '2016 या 2017 में मुझे डेनमार्क में अपने मैच के बीच में लगभग एक घंटे तक इंतजार करना पड़ा था क्योंकि बत्ती गुल हो गई थी।' श्रीकांत ने एचएस प्रणय से जुड़े एक मामले का भी जिक्र किया जिन्हें दो दिन में एक मैच पूरा करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'एक बार प्रणय मुझे बता रहे थे कि उन्हें अपना मैच अगले दिन खेलना पड़ा। उन्होंने पहले दिन एक गेम खेला और फिर अगले दिन दूसरा गेम।'

श्रीकांत ने कहा, 'ये चीजें हो जाती हैं, कोई जानबूझकर ऐसा नहीं करता। हर देश इसे बहुत अच्छे से करना चाहता है। ऐसी चीजें बहुत कम होती हैं और मुझे नहीं पता कि हर कोई इसके बारे में शिकायत क्यों कर रहा है।' ब्लिचफेल्ट ने कहा था कि मुकाबले का आयोजन कर रहे कोर्ट पर परिस्थितियां संतोषजनक थी लेकिन कुल मिलाकर हालात चिंताजनक हैं।

इंडस्ट्री में सफलता की कोई समय सीमा नहीं, रिजेक्शन आम बात है

द केरल स्टोरी जैसी सफल फिल्म का हिस्सा रहीं अभिनेत्री अदा शर्मा ने एक्टिंग करियर में लंबा सफर तय किया है। उनकी कुछ फिल्में सुपरहिट रहीं, जबकि कुछ बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं। अदा का कहना है कि फिल्म इंडस्ट्री उतार-चढ़ाव से भरी है। उन्होंने न्यूकमर्स को भी सफलता के टिप्स दिए। अदा ने नए कलाकारों को बताया कि करियर के मुश्किल दौर में घबराने की जरूरत नहीं है। बस फोकस बनाए रखें और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते रहें। मेहनत, धैर्य और सकारात्मकता के साथ चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। अदा शर्मा ने बातचीत में नए कलाकारों को सफलता के मंत्र दिए। अदा ने इंडस्ट्री की कठिनाइयों पर खुलकर बात की और सलाह दी कि यहां आने से पहले पूरी तरह आश्वस्त होना चाहिए।

अदा शर्मा ने कहा, न्यूकमर्स को मेरी सलाह है कि अगर वे इंडस्ट्री जॉइन करना चाहते हैं, तो उन्हें आश्वस्त होना चाहिए कि मुश्किलों के दौर में भी उनका डटकर मुकाबला करना सफलता दिलाएगा। इंडस्ट्री में बहुत सारे उतार-चढ़ाव हैं। आप सिर्फ फाइनल मूवी देखते हैं, लेकिन उस मूवी या रोल तक पहुंचने के लिए कितने ऑडिशंस देने पड़ते हैं, कितने रिजेक्शन झेलने पड़ते हैं, कितने दिन बिना काम के गुजरते हैं और कितने सालों तक रुक-रुककर इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने बताया, इन तमाम मुश्किलों के बाद शायद एक ब्रेक मिलता है, लेकिन वह कब मिलेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। एक ब्रेक सुपरहिट होने के बाद भी अगली फिल्म कब मिलेगी, यह भी पता नहीं होता। ऐसे में मन को मजबूत रखना बहुत जरूरी है। जब चीजें ठीक नहीं चल रही होंगी, तो बहुत से लोग सलाह देंगे कि यह नहीं करना चाहिए था, तुम इस सेक्टर में गलत आ गए। ऐसे समय में डिप्रेशन में न जाएं, इसके लिए अपना मन मजबूत रखें। इंडस्ट्री में सफलता की कोई निश्चित समय सीमा नहीं होती और रिजेक्शन आम बात है। अदा शर्मा ने सुझाव दिया कि बाकी कई शौक जरूर रखें, जो मन को शांत रखने में मदद करते हैं। खासकर जब काम नहीं चल रहा हो या जीवन में मुश्किलें हों, तब ये हॉबीज बहुत काम आती हैं। अदा खुद का उदाहरण देते हुए बोलीं, जैसे मैं म्यूजिक करती हूं, पियानो बजाती हूं, फ्लूट बजाती हूं या डांस करती हूं। कोई भी ऐसी हॉबी रखें, जिससे आप अपना दिमाग शांत रख सकें।

'मिर्जापुर द फिल्म' में हुई इस दिव्येंदु शर्मा की वापसी, श्रिया पिलगांवकर ने दिया सरप्राइज

प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' अब फिल्म के रूप में सामने आएगी। 'मिर्जापुर द फिल्म' की शूटिंग इन दिनों चल रही है। शूटिंग से कई तस्वीरें और वीडियोज भी सामने आ चुके हैं। अब सीरीज का हिस्सा रहीं अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने शूटिंग से कुछ तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म में सीरीज के अहम किरदार की वापसी के बारे में भी जानकारी दी है। जानिए कौन कर रहा है फिल्म में आठ साल बाद वापसी

श्रिया पिलगांवकर ने अपने इंस्टाग्राम पर मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग से जुड़ी दो तस्वीरें साझा की हैं। इनमें पहली तस्वीर में क्लैप बोर्ड नजर आ रहा है, जिस पर फिल्म का नाम 'मिर्जापुर द फिल्म' लिखा हुआ है। साथ ही स्क्रिप्ट रखी हुई है, जिस पर स्वास्तिक बना हुआ है और क्लैप बोर्ड व स्क्रिप्ट पर फूल चढ़े हुए हैं। इससे पता चलता है कि यह मुहूर्त शॉट की तस्वीर हो सकती है। इसके साथ ही श्रिया ने एक और तस्वीर भी साझा की है। इसमें पूजन हो रहा है और फिल्म की पूरी कास्ट व क्रू मौजूद है। इसके साथ ही श्रिया ने कैप्शन में लिखा है, 'आठ साल बाद अंदाजा लगाइए कौन मौत के मुंह से वापस लौट आया है? मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग हो रही है। जल्द ही मिलते हैं।'

वापस आ गए मुन्ना भैया

श्रिया के कैप्शन के बाद अब ये साफ हो गया है कि मिर्जापुर के दूसरे सीजन में मर चुके मुन्ना भैया यानी दिव्येंदु शर्मा, 'मिर्जापुर द फिल्म' में वापसी कर रहे हैं। श्रिया ने जो फिल्म की कास्ट की तस्वीर साझा की है, उसमें दिव्येंदु शर्मा भी नजर आ रहे हैं। अब श्रिया के कैप्शन और इस तस्वीर से फैंस को ये कंफर्मेशन मिल गई है कि मुन्ना भैया का किरदार 'मिर्जापुर द फिल्म' में वापस आ रहा है। जाहिर है कि मुन्ना भैया शो का सबसे लोकप्रिय किरदार है। सीरीज के तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का न होना हर किसी को काफी खला था और लोगों ने इस किरदार के वापस आने की मांग भी की थी। लोगों को उम्मीद थी कि तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का किरदार वापस आएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। लेकिन अब 'मिर्जापुर द फिल्म' में मुन्ना भैया के किरदार की वापसी तय है।

रवि किशन भी आएंगे नजर

इसके अलावा 'मिर्जापुर द फिल्म' में रवि किशन और जितेंद्र कुमार की नई एंट्री हुई है। हालांकि, ये दोनों ही अभिनेता वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थे। ऐसे में रवि किशन का किरदार क्या होगा, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। वहीं जितेंद्र कुमार संभवत- फिल्म में बबलू पंडित का किरदार निभा सकते हैं। जो सीरीज में विक्रांत मैसी ने निभाया था, लेकिन विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि, सीरीज में भी पहले ही सीजन के अंत में बबलू पंडित के किरदार की मौत हो जाती है। श्रिया ने जो तस्वीर साझा की है उसमें फिल्म की बाकी कास्ट नजर आ रही हैं। इसमें पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्रिया पिलगांवकर, कृतिका कामरा, श्वेता त्रिपाठी, रवि किशन, राजेश तैलंग, रसिका दुग्गल और बाकी कलाकार नजर आ रहे हैं। अभी फिल्म की शूटिंग चल रही है। रिलीज की तारीख अभी तय नहीं है।

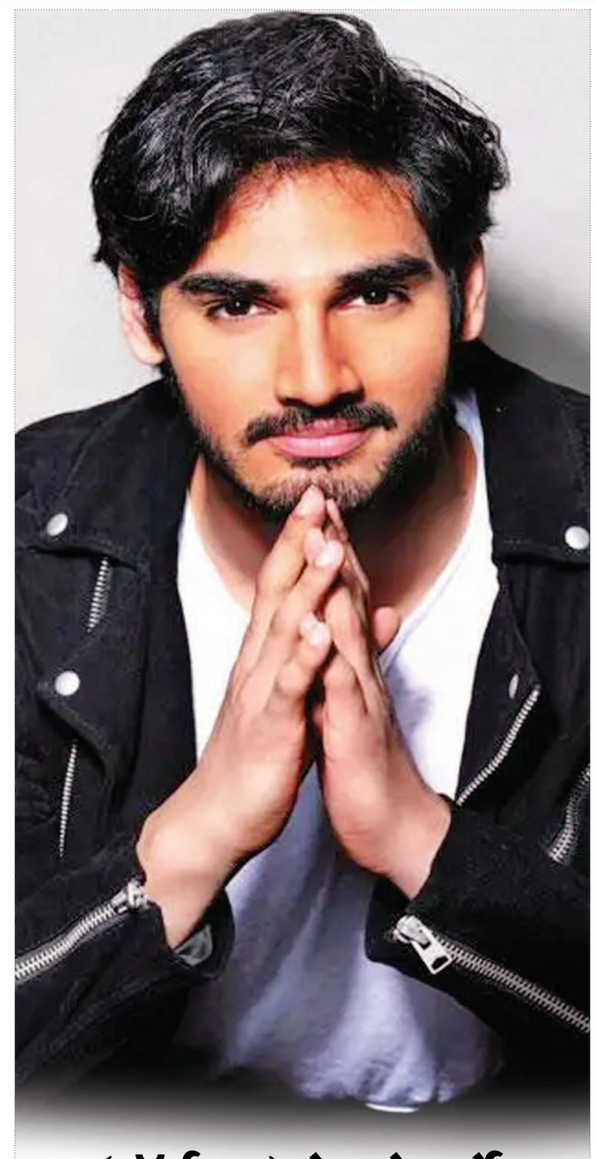

'बॉर्डर 2' से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे अहान शेट्टी, चार साल तक क्यों रहे फिल्मों से दूर?

अभिनेता अहान शेट्टी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बॉर्डर 2' को लेकर चर्चाओं में हैं। अहान अपने पिता सुनील शेट्टी की विरासत को आगे बढ़ाते हुए 'बॉर्डर 2' में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए अहान शेट्टी लगभग चार साल से भी अधिक समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। 'बॉर्डर 2' अहान की डेब्यू फिल्म 'तड़प' के बाद उनकी दूसरी फिल्म है। जानिए आखिर क्यों चार साल बड़े पर्दे से दूर रहे अहान शेट्टी?

बॉर्डर 2 में लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका में दिखेंगे अहान

'बॉर्डर 2' से जबसे अहान का लुक और फिल्म का टीजर सामने आया है, तबसे ही उनके फैंस काफी उत्साहित हैं। 'बॉर्डर 2' में अहान भारतीय नौसेना के ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर एमएस रावत की भूमिका निभा रहे हैं। इस किरदार में फैंस उन्हें काफी पसंद कर रहे हैं और फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ आन्या सिंह नजर आएंगी।

इस वजह से चार साल कोई फिल्म नहीं कर पाए अहान

अहान शेट्टी फिल्मों से भले ही चार साल से दूर हों, लेकिन वो चर्चाओं में रहे हैं। अक्सर कम पब्लिक अपीयरेंस और सोशल मीडिया एक्टिविटी के बावजूद फैंस अहान की चर्चा करते रहते हैं और उनके काम का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हालांकि, हाल ही में अहान ने चार साल बड़े पर्दे से दूर रहने के कारण के बारे में भी बताया था। 'बॉर्डर 2' के टीजर लॉन्च के दौरान अहान शेट्टी ने यह बताया था कि वो एक कॉन्ट्रैक्ट के चलते चार साल तक किसी फिल्म में काम नहीं कर पाए। इसके चलते वो डेब्यू फिल्म के बाद बड़े पर्दे से दूर रहे। इंडस्ट्री में कॉन्ट्रैक्ट के चलते एक्टर-एक्टर्स किसी और फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकते हैं। अहान भी इसी के चलते चार साल फिल्मों से दूर रहे। हालांकि, अब वो 'बॉर्डर 2' से वापसी को तैयार हैं।

साल 2021 में 'तड़प' फिल्म से किया था डेब्यू

अहान शेट्टी ने साल 2021 में आई रोमांटिक फिल्म 'तड़प' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। मिलन लुथ्रिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अहान के साथ तारा सुतारिया प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। फिल्म में अहान के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी और क्रिटिक्स ने उन्हें लंबी रेस का खिलाड़ी बताया था। हालांकि, उसके बाद जब चार साल तक अहान की कोई फिल्म नहीं आई तो हर कोई हैरान था। लेकिन अब अहान ने इसके पीछे की वजह बताई है, जो एक कॉन्ट्रैक्ट साइन करना था।

फातिमा सना शेख ने संघर्ष के साथ तय किया फिल्मी सफर

बॉलीवुड एक्ट्रेस फातिमा सना शेख छोटी उम्र से ही इंडस्ट्री का हिस्सा रही हैं और इसलिए उन्होंने सब कुछ देखा है। कुछ ऐसी चीजें भी जो एक बच्चे को नहीं देखनी चाहिए। उनके अनुभवों ने उन्हें जल्दी परिपक्व बना दिया, लेकिन उनके अंदर की मासूमियत आज भी जिंदा है। फातिमा सना शेख ने 4 साल की उम्र से करियर की शुरुआत की और टीवी की जर्नी से होते हुए बॉलीवुड में एंट्री ली। हालांकि बचपन में उन्हें शूटिंग सेट पर काफी कुछ झेलना पड़ता था। 11 जनवरी को फातिमा सना शेख अपना 34वां जन्मदिन मनाएंगी। दंगल से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली सना शेख बचपन में ही बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं। उन्होंने कमल हासन और तब्बू अभिनीत 1997 की हिट फिल्म चाची 420 में कमल हासन की बेटी का रोल प्ले किया था। सना ने खुद खुलासा किया था कि उस वक्त बच्चों को क्या ही पता होता है और जो बोला जाता है, बच्चे अपने मूड के हिसाब से करते हैं। ऐसा ही कुछ चाची 420 के सेट पर हुआ और उन्हें रोने के लिए कहा गया। अभिनेत्री ने बताया था कि उस वक्त उन्होंने नकली रोना शुरू किया और थोड़ा सा मुंह बना लिया, लेकिन सीन को परफेक्ट बनाना था और तभी किसी ने मुझे जोरदार डांट लगाई और मैं सच में रोने लगी। फिर उन्होंने कहा कि ऐसे ही रोना चाहिए था। सना को ऐसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा जिनसे किसी बच्चे को नहीं गुजरना चाहिए। बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट सेट पर 15 घंटे प्रतिदिन काम करना पड़ता था और उस वक्त बाल कलाकारों के लिए नियम और सुरक्षा जैसी कोई चीज नहीं थी। वे सेट पर बड़ों लोगों की ऐसी बातें सुनती थी, जो बच्चों को नहीं सुननी चाहिए। फातिमा ने आज जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के लिए उन्होंने हर क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के अलावा, उन्होंने कुछ टेलीविजन शो भी किए। वे फिल्मों में आने से पहले सीरियल अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो में नजर आईं, जहां उन्होंने सुमन का किरदार निभाया। इसके अलावा वे लेडीज स्पेशल शो में भी दिखाई दीं।

बहुत कम लोग ये बात जानते हैं कि साल 2016 में दंगल से डेब्यू करने से पहले कई फिल्मों में साइड रोल कर चुकी थी। उन्हें साल 2008 में आई तहान, 2013 में आई आकाश वाणी और 2012 बिट्टू बॉस में छोटे-मोटे रोल में देखा गया था, लेकिन फिल्म दंगल से उनके करियर को बड़ा ब्रेक मिला। इसके बाद उन्हें बतौर लीड एक्ट्रेस लूडो, ठग्स ऑफ हिंदुस्तान, आप जैसा कोई और मेट्रो इन दिनों में देखा गया और अब वे रोमांटिक ड्रामा फिल्म गुस्ताख इश्क में दिख रही हैं।

वर्किंग मदर होना मुश्किल है, बेटी के जन्म के 43वें दिन ही मैं सेट पर थी

एक्टिंग, होस्टिंग, चैट शो, जैसी विभिन्न विधाओं में सफलतापूर्वक हाथ आजमाने वाली नेहा धूपिया असल मायने में एक मल्टीटास्कर हैं। काम के साथ-साथ निजी जिंदगी में एक मां और पत्नी की भूमिका भी वह उसी खूबी से निभाती हैं। हाल ही में सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसी सीरीज में नजर आईं नेहा से हमने इन्हीं विषयों पर अपने निजी जिंदगी के अनुभव शेयर किए। उन्होंने बताया कि कैसे वह बेटी मेहर के जन्म के 43 दिन बाद ही काम के मोर्चे पर लौट आई थीं। वह मानती हैं कि आज में भी समाज में कामकाजी मांओं को लेकर सेंसिटिविटी की कमी है।

आप एक वर्किंग मॉम हैं और आज की औरतें बेशक घर, बच्चे, काम सब हैंडल करती हैं, मगर यह आसान नहीं होता। आप कैसे सारी चीजों के बीच तालमेल बिठाती हैं?

यह बिल्कुल भी आसान नहीं होता। बहुत ही मुश्किल होता है और आप जितना भी बोले, कोई इसे समझता भी नहीं है। यह मैं बहुत सारी औरतों के लिए कह रही हैं, जैसे मेरे बच्चे छोटे हैं तो उनको स्कूल छोड़ना होता है। बतौर एक्टर आपको एक खास तरह से दिखना भी होता है, तो जिम भी जाना है। कई दिन ऐसे होते हैं कि मैं सवा 5 बजे उठती हूं। फिर जिम जाना, बच्चों को उठाना, स्कूल छोड़ना, फिर आपको सेट पर 9 बजे पहुंचना है, मगर आप सवा नौ बजे वहां पहुंचो तो कोई घड़ी देखते हुए कह देगा- आप लेट हो। जबकि हमारे दिमाग में तो ये आता है कि अरे यार, मैं ऑलरेडी साढ़े 4 घंटे से काम ही कर रही हूं, लेकिन यह बात न कोई समझता है, न समझना चाहता है। ऐसे में, जब कोई आपके 15 मिनट लेट होने पर नाखुशी जताता है तो आप हर बार उस इमोशन को कंट्रोल करते हैं कि जवाब देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आपकी प्रॉब्लम कोई नहीं समझेगा, मगर सुबह के 9 बजे ही आप समझ चुके होते हैं कि एक वर्किंग मदर होना कितना मुश्किल होता है।

आपको लगता है कि हमारे फिल्म सेट और समाज दोनों को कामकाजी मांओं के प्रति थोड़ा सेंसिटिव होने की जरूरत है, क्योंकि आज भी आप देखें तो अनुष्का शर्मा से लेकर सोनम कपूर तक मां बनने के बाद से लंबे ब्रेक में रहीं?

सेंसिटिविटी जरूरी है, मगर अनुष्का और सोनम की मां बनने के तुरंत बाद काम पर नहीं लौटने की जो भी वजहें हैं, वो मुझे नहीं पता। वो उनकी चॉइस है। मैं अपनी बात करूं तो मैंने तो आठ महीने की प्रेग्नेंसी में शूटिंग की है। मैं फिल्म ए थर्सडे शूट कर रही थी और सेट पर ही मेरा कॉन्ट्रैक्शन शुरू हुआ तो मैंने तो प्रेग्नेंसी के आखिरी दिन तक काम किया है। फिर, मेरी बेटी मेहर के जन?म के 43 दिन ही, मैं रोडीज के सेट पर वापस लौटी तो मुझे लगता है कि यह हर किसी का निजी फैसला है। कुछ लोग अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान भी काम कर सकते हैं, कुछ नहीं कर सकते। कभी मेडिकल कारणों से तो कभी उनकी चॉइस है तो हमें उसका भी सम्मान करना चाहिए। कुछ औरतें जल्द से जल्द काम पर लौटना चाहती हैं, क्योंकि वे अपनी पहले जैसी जिंदगी वापस चाहती हैं। कुछ थोड़ा वक्त लेना चाहती हैं तो मैं किसी और लिए नहीं बोल सकती, लेकिन मैं अपना बैलेंस तब महसूस करती हूं जब मैं जितना समय अपने बच्चों के साथ बिताती हूं, उतना ही काम को भी दे पाऊं।

सिंगल पापा सीरीज में आपकी एक लाइन है कि 90 फीसदी माएं सिंगल मदर ही होती हैं। सही भी है कि बच्चों की परवरिश का दायित्व मां पर ही ज्यादा होता है। आप इससे कितना रिलेट करती हैं?

मैं मानती हूं कि हम उन भाग्यशाली 10 प्रतिशत लोगों में से हैं, जिनके पार्टनर ये समझते हैं कि हमारे लिए भी काम करना उतना ही जरूरी है। मगर ऐसे बहुत से घर हैं जहां औरतें मां बनने के बाद दोबारा काम पर जा ही नहीं पातीं। जहां मर्द और औरत का रोल, उनका काम तय होता है और यह जल्दी नहीं बदलने वाला। मेरा मानना है कि यह बदलाव दोनों तरफ से होना चाहिए। एक मां के तौर पर हमें भी चीजों को छोड़ने, दूसरों को करने देना सीखना होगा। वहीं, पुरुषों और समाज को भी ये समझना होगा कि औरतें भी वे चीजें करेंगी जो वे करना चाहती हैं या उनके लिए जरूरी है। यह लाइन समाज के एक बड़े तबके पर लागू होती है, उम्मीद है कि शायद आने वाले समय में इसमें बदलाव आए।

आपके घर में बच्चों मेहर और गुरिक की पैरंटिंग में पति अंगद बेदी की कितनी भागीदारी रहती है?

अंगद बिल्कुल मेरा बराबर साथ देते हैं। हालांकि, ऐसी कोई बराबर-बराबर वाली भूमिका तय नहीं है, मगर जैसे आज मैं बाहर हूं तो मुझे पता है कि अंगद सारी चीजें हैंडल कर रहे हैं। अगर वो काम पर है तो मैं संभालती हूं। इसके अलावा, सपोर्ट स्टाफ है, ग्रैंड पैरंट्स हैं। मेरा मानना है कि बच्चे को बड़ा करने में सबकी भूमिका होती है, भले ही वो मां होममेकर ही क्यों न हो, क्योंकि उनकी जॉब तो सबसे ज्यादा मुश्किल है। वे दिन भर काम में लगी रहती हैं, जिसका न कोई रिवॉर्ड है, न सैलरी है। मैं खुद जितनी भी चीजें करती हूं, उसमें सबसे मुश्किल होममेकर वाला पार्ट है। खुशकिस्मती से हमारे घर में सब बराबर हैं और मैं उम्मीद करती हूं कि ऐसा और ज्यादा घरों में हो।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।